Series &RQPS/S

Set-2

प्रश्न-पत्र कोड
Q.P. Code **55/S/2**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।
Candidates must write the Q.P. Code on the title page of the answer-book.

भौतिक विज्ञान (सैद्धान्तिक)

PHYSICS (Theory)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 70*

	नोट		**NOTE**
(I)	कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित पृष्ठ **27** हैं ।	(I)	Please check that this question paper contains **27** printed pages.
(II)	कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में **33** प्रश्न हैं ।	(II)	Please check that this question paper contains **33** questions.
(III)	प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न–पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर लिखें ।	(III)	Q.P. Code given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
(IV)	**कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर–पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**	(IV)	**Please write down the serial number of the question in the answer-book before attempting it.**
(V)	इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न–पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।	(V)	15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उनका पालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में **33** प्रश्न हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

(ii) *यह प्रश्न-पत्र **पाँच** खण्डों में विभाजित है – **खण्ड क, ख, ग, घ** एवं **ङ**।*

(iii) ***खण्ड क** में प्रश्न संख्या **1** से **16** तक बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **1** अंक का है ।*

(iv) ***खण्ड ख** में प्रश्न संख्या **17** से **21** तक अति लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **2** अंकों का है ।*

(v) ***खण्ड ग** में प्रश्न संख्या **22** से **28** तक लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **3** अंकों का है ।*

(vi) ***खण्ड घ** में प्रश्न संख्या **29** तथा **30** केस अध्ययन-आधारित प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **4** अंकों का है ।*

(vii) ***खण्ड ङ** में प्रश्न संख्या **31** से **33** तक दीर्घ-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **5** अंकों का है ।*

(viii) *प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है। यद्यपि, **खण्ड क** के अतिरिक्त अन्य खण्डों के कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प का चयन दिया गया है।*

(ix) *ध्यान दें कि दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए एक अलग प्रश्न-पत्र है।*

(x) *कैल्कुलेटर का उपयोग **वर्जित** है।*

जहाँ आवश्यक हो, आप निम्नलिखित भौतिक नियतांकों के मानों का उपयोग कर सकते हैं :

$c = 3 \times 10^8$ m/s

$h = 6{\cdot}63 \times 10^{-34}$ Js

$e = 1{\cdot}6 \times 10^{-19}$ C

$\mu_0 = 4\pi \times 10^{-7}$ T m A^{-1}

$\varepsilon_0 = 8{\cdot}854 \times 10^{-12}$ C^2 N^{-1} m^{-2}

$\frac{1}{4\pi\varepsilon_0} = 9 \times 10^9$ N m^2 C^{-2}

इलेक्ट्रॉन का द्रव्यमान $(m_e) = 9{\cdot}1 \times 10^{-31}$ kg

न्यूट्रॉन का द्रव्यमान = $1{\cdot}675 \times 10^{-27}$ kg

प्रोटॉन का द्रव्यमान = $1{\cdot}673 \times 10^{-27}$ kg

आवोगाद्रो संख्या = $6{\cdot}023 \times 10^{23}$ प्रति ग्राम मोल

बोल्ट्ज़मान नियतांक = $1{\cdot}38 \times 10^{-23}$ JK^{-1}

General Instructions :

Read the following instructions carefully and follow them :

(i) *This question paper contains **33** questions. **All** questions are **compulsory**.*

(ii) *This question paper is divided into **five** sections – **Sections A, B, C, D** and **E**.*

(iii) *In **Section A** – Questions no. **1** to **16** are Multiple Choice type questions. Each question carries **1** mark.*

(iv) *In **Section B** – Questions no. **17** to **21** are Very Short Answer type questions. Each question carries **2** marks.*

(v) *In **Section C** – Questions no. **22** to **28** are Short Answer type questions. Each question carries **3** marks.*

(vi) *In **Section D** – Questions no. **29** and **30** are case study-based questions. Each question carries **4** marks.*

(vii) *In **Section E** – Questions no. **31** to **33** are Long Answer type questions. Each question carries **5** marks.*

(viii) *There is no overall choice given in the question paper. However, an internal choice has been provided in few questions in all the Sections except Section A.*

(ix) *Kindly note that there is a separate question paper for Visually Impaired candidates.*

(x) *Use of calculators is **not** allowed.*

You may use the following values of physical constants wherever necessary :

$c = 3 \times 10^8$ m/s

$h = 6{\cdot}63 \times 10^{-34}$ Js

$e = 1{\cdot}6 \times 10^{-19}$ C

$\mu_0 = 4\pi \times 10^{-7}$ T m A^{-1}

$\varepsilon_0 = 8{\cdot}854 \times 10^{-12}$ C^2 N^{-1} m^{-2}

$\frac{1}{4\pi\varepsilon_0} = 9 \times 10^9$ N m^2 C^{-2}

Mass of electron (m_e) = $9{\cdot}1 \times 10^{-31}$ kg

Mass of neutron = $1{\cdot}675 \times 10^{-27}$ kg

Mass of proton = $1{\cdot}673 \times 10^{-27}$ kg

Avogadro's number = $6{\cdot}023 \times 10^{23}$ per gram mole

Boltzmann constant = $1{\cdot}38 \times 10^{-23}$ JK^{-1}

खण्ड क

1. किसी माध्यम की आपेक्षिक चुम्बकशीलता 0.075 है। इस माध्यम की चुम्बकीय प्रवृत्ति है :

(A) 0.925 (B) – 0.925 (C) 1.075 (D) – 1.075

2. क्षेत्रफल A और 4A के दो वृत्ताकार पाशों से क्रमश: 2I और I की धाराएँ प्रवाहित हो रही हैं। इनके केन्द्रों पर चुम्बकीय क्षेत्रों का अनुपात होगा :

(A) 3 : 1 (B) 4 : 1 (C) 1 : 1 (D) 1 : 2

3. त्रिज्या R के किसी चालक गोले को Q आवेश दिया गया है। तीन बिन्दुओं A, B और C पर विचार कीजिए — बिन्दु A गोले के केन्द्र पर, B गोले के केन्द्र से R/2 दूरी पर तथा C गोले के पृष्ठ पर स्थित है। इन बिन्दुओं पर विद्युत विभव इस प्रकार हैं कि :

(A) $V_A = V_B = V_C$ (B) $V_A = V_B \neq V_C$

(C) $V_A \neq V_B \neq V_C$ (D) $V_A \neq V_B = V_C$

4. जब किसी समान्तर पट्टिका संधारित्र की पट्टिकाओं के बीच पृथकन 8 cm है तब उसकी धारिता 10 μF है। यदि पट्टिकाओं के बीच पृथकन को आधा कर दिया जाए, तो धारिता हो जाएगी :

(A) 10 μF (B) 15 μF (C) 20 μF (D) 40 μF

5. आइसोटोन वे न्यूक्लाइड हैं जिनमें :

(A) न्यूट्रॉनों की संख्या समान परन्तु प्रोटॉनों की संख्या भिन्न होती है

(B) प्रोटॉनों की संख्या समान परन्तु न्यूट्रॉनों की संख्या भिन्न होती है

(C) प्रोटॉनों की संख्या समान तथा न्यूट्रॉनों की संख्या भी समान होती है

(D) प्रोटॉनों की संख्या भिन्न तथा न्यूट्रॉनों की संख्या भी भिन्न होती है

6. किसी विद्युत-चुम्बकीय तरंग के चुम्बकीय क्षेत्र का निरूपण $B_x = B_0 \sin(ky - \omega t)$ के रूप में किया गया है। इससे यह तात्पर्य है कि तरंग के संचरण की दिशा तथा तरंग सदिश k क्रमश: हैं :

(A) + z अक्ष, $\frac{2\pi}{v}$ (B) – z अक्ष, $\frac{2\pi}{T}$

(C) + y अक्ष, $\frac{2\pi}{\lambda}$ (D) – y अक्ष, $\frac{\lambda}{2\pi}$

SECTION A

1. The relative magnetic permeability of a medium is 0.075. Its magnetic susceptibility will be :

(A) 0.925 (B) – 0.925 (C) 1.075 (D) – 1.075

2. Two circular loops of areas A and 4A carry currents 2I and I respectively. The magnetic fields at their centres will be in the ratio of :

(A) 3 : 1 (B) 4 : 1 (C) 1 : 1 (D) 1 : 2

3. A conducting sphere of radius R is given a charge Q. Consider three points A, B and C — A at the centre, B at a distance R/2 from the centre and C on the surface of the sphere. The electric potentials at these points are such that :

(A) $V_A = V_B = V_C$ (B) $V_A = V_B \neq V_C$

(C) $V_A \neq V_B \neq V_C$ (D) $V_A \neq V_B = V_C$

4. The capacitance of a parallel plate capacitor is 10 μF when the distance between its plates is 8 cm. If the distance between the plates is halved, the capacitance will become :

(A) 10 μF (B) 15 μF (C) 20 μF (D) 40 μF

5. Isotones are nuclides having :

(A) same number of neutrons but different number of protons

(B) same number of protons but different number of neutrons

(C) same number of protons and also same number of neutrons

(D) different number of protons and also different number of neutrons

6. The magnetic field of an electromagnetic wave is represented as

$B_x = B_0 \sin (ky - \omega t)$. It means that the wave propagation direction and wave vector k are respectively :

(A) + z axis, $\frac{2\pi}{v}$ (B) – z axis, $\frac{2\pi}{T}$

(C) + y axis, $\frac{2\pi}{\lambda}$ (D) – y axis, $\frac{\lambda}{2\pi}$

7. प्रतिरोध 5 Ω तथा स्व-प्रेरकत्व 25 mH का कोई प्रेरक 200 rad s^{-1} कोणीय आवृत्ति के किसी ac स्रोत से संयोजित है। वोल्टता और धारा के बीच कला कोण है :

(A) 30° (B) 45°

(C) 60° (D) 90°

8. ऐल्फ़ा कण प्रकीर्णन प्रयोग के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है ?

(A) प्रकीर्णन कोण $\theta \approx 0$ के लिए, संघट्ट प्राचल कम होता है।

(B) प्रकीर्णन कोण $\theta \simeq \pi$ के लिए, संघट्ट प्राचल अधिक होता है।

(C) प्रत्यक्ष (सम्मुख) संघट्ट करने वाले ऐल्फ़ा कणों की संख्या कम होती है।

(D) यह प्रयोग लक्ष्य परमाणु के साइज़ की ऊपरी सीमा का आकलन प्रदान करता है।

9. बोर मॉडल के अनुसार हाइड्रोजन परमाणु की आयनन ऊर्जा होती है :

(A) – 3·4 eV (B) 3·4 eV

(C) – 13·6 eV (D) 13·6 eV

10. कोई बिन्दुकित बिम्ब वायु में दो माध्यमों, वायु और काँच को पृथक् करने वाली वक्रता त्रिज्या R के उत्तल गोलीय पृष्ठ के मुख्य अक्ष पर 4R दूरी पर स्थित है। जैसे-जैसे बिम्ब इस पृष्ठ की ओर गति करता है, इसका प्रतिबिम्ब :

(A) सदैव वास्तविक बनता है

(B) सदैव आभासी बनता है

(C) पहले आभासी और फिर वास्तविक बनता है

(D) पहले वास्तविक और फिर आभासी बनता है

11. पश्च दिशिक बायसन में किसी p-n संधि डायोड के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही ***नहीं*** है ?

(A) धारा अनुप्रयुक्त वोल्टता पर लगभग निर्भर नहीं करती है।

(B) होल p-फलक से n-फलक की ओर प्रवाहित होते हैं।

(C) ह्रासी क्षेत्र में विद्युत-क्षेत्र में वृद्धि हो जाती है।

(D) संधि के n-फलक को बैटरी के धनात्मक टर्मिनल तथा p-फलक को बैटरी के ऋणात्मक टर्मिनल से संयोजित किया जाता है।

7. An inductor of resistance 5 Ω and self-inductance 25 mH is connected across an ac source of angular frequency 200 rad s^{-1}. The phase angle between the voltage and the current is :

(A) 30° (B) 45°

(C) 60° (D) 90°

8. Which of the following statements is correct for alpha particle scattering experiment ?

(A) For angle of scattering $\theta \approx 0$, the impact parameter is small.

(B) For angle of scattering $\theta \simeq \pi$, the impact parameter is large.

(C) The number of alpha particles undergoing head-on collision is small.

(D) The experiment provides an estimate of the upper limit to the size of target atom.

9. The ionisation energy of the hydrogen atom, in Bohr model, is :

(A) – 3·4 eV (B) 3·4 eV

(C) – 13·6 eV (D) 13·6 eV

10. A point object is placed in air at a distance of 4R on the principal axis of a convex spherical surface of radius of curvature R separating two mediums, air and glass. As the object is moved towards the surface, the image formed is :

(A) always real

(B) always virtual

(C) first virtual and then real

(D) first real and then virtual

11. Which of the following statements is ***not*** true for a p-n junction diode under reverse bias ?

(A) The current is almost independent of the applied voltage.

(B) Holes flow from p-side to n-side.

(C) Electric field in the depletion region increases.

(D) n-side of the junction is connected to +ve terminal and p-side to –ve terminal of the battery.

12. किसी गैल्वेनोमीटर की धारा सुग्राहिता निम्नलिखित में से किस एक पर निर्भर ***नहीं*** करती है ?

(A) चुम्बकीय क्षेत्र जिसमें कुण्डली निलंबित है

(B) कुण्डली में प्रवाहित धारा

(C) कमानी का ऐंठन नियतांक

(D) कुण्डली का क्षेत्रफल

*प्रश्न संख्या **13** से **16** अभिकथन (A) और कारण (R) प्रकार के प्रश्न हैं। दो कथन दिए गए हैं — जिनमें एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) द्वारा अंकित किया गया है। सही उत्तर नीचे दिए गए कोडों (A), (B), (C) और (D) में से चुनकर दीजिए।*

(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(C) अभिकथन (A) सही है, परन्तु कारण (R) ग़लत है।

(D) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों ग़लत हैं।

13. *अभिकथन (A)* : यद्यपि गॉगल (धूप के चश्मे) लेंसों के पृष्ठ वक्रित होते हैं, परन्तु उनमें कोई क्षमता नहीं होती है।

कारण (R) : गॉगलों के प्रकरण में दोनों वक्रित पृष्ठ एक ही ओर वक्रित होते हैं और इनकी वक्रता त्रिज्या समान होती है।

14. *अभिकथन (A)* : सूर्य में ऊर्जा जनन के लिए नाभिकीय विखण्डन अभिक्रियाएँ उत्तरदायी होती हैं।

कारण (R) : नाभिकीय विखण्डन अभिक्रियाओं में हल्के नाभिक परस्पर मिलकर संलयित होते हैं।

15. *अभिकथन (A)* : किसी चालक तार के किसी बिन्दु पर धारा घनत्व ($\vec{J}$) उस बिन्दु पर विद्युत-क्षेत्र ($\vec{E}$) की दिशा में होती है।

कारण (R) : चालक तार ओम के नियम का पालन करता है।

12. The current sensitivity of a galvanometer does ***not*** depend on the :

(A) magnetic field in which the coil is suspended.

(B) current flowing in the coil.

(C) torsional constant of the spring.

(D) area of the coil.

*Questions number **13** to **16** are Assertion (A) and Reason (R) type questions. Two statements are given — one labelled Assertion (A) and the other labelled Reason (R). Select the correct answer from the codes (A), (B), (C) and (D) as given below.*

(A) Both Assertion (A) and Reason (R) are true and Reason (R) is the correct explanation of the Assertion (A).

(B) Both Assertion (A) and Reason (R) are true, but Reason (R) is ***not*** the correct explanation of the Assertion (A).

(C) Assertion (A) is true, but Reason (R) is false.

(D) Both Assertion (A) and Reason (R) are false.

13. *Assertion (A) :* Although the surfaces of a goggle lens are curved, it does not have any power.

Reason (R) : In case of goggles, both the curved surfaces are curved on the same side and have equal radii of curvature.

14. *Assertion (A) :* Nuclear fission reactions are responsible for energy generation in the Sun.

Reason (R) : Light nuclei fuse together in the nuclear fission reactions.

15. *Assertion (A) :* The current density ($\vec{J}$) at a point in a conducting wire is in the direction of electric field ($\vec{E}$) at that point.

Reason (R) : A conducting wire obeys Ohm's law.

16. *अभिकथन (A)* : जब कोई धारावाही कुण्डली किसी त्रिज्य चुम्बकीय क्षेत्र में निलंबित होती है तब उस पर कार्यरत बल-आघूर्ण अधिकतम होता है।

कारण (R) : बल-आघूर्ण की प्रवृत्ति कुण्डली को उसके अक्ष पर घूर्णन कराने की होती है।

खण्ड ख

17. (a) 12 Ω के बाह्य प्रतिरोध के सिरों से संयोजित कोई सेल 0.25 A धारा की आपूर्ति कर रहा है। बाह्य प्रतिरोध में 4 Ω की वृद्धि करने पर धारा घटकर 0.2 A हो जाती है। सेल का (i) वि.वा. बल (emf), तथा (ii) आन्तरिक प्रतिरोध ज्ञात कीजिए। *2*

अथवा

(b) 3 μC और 4 μC के दो बिन्दु आवेश x-y तल में (0·3 m, 0) तथा (0, 0.3 m) पर वायु में स्थित हैं । मूल-बिन्दु (0, 0) पर उत्पन्न नेट विद्युत-क्षेत्र का परिमाण और दिशा ज्ञात कीजिए। *2*

18. किसी पदार्थ के चुम्बकीकरण और चुम्बकीय प्रवृत्ति के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए। अनुचुम्बकीय और प्रतिचुम्बकीय पदार्थों की चुम्बकीय प्रवृत्ति के विषय में अपने विचार लिखिए। *2*

19. हाइगेन्स का सिद्धान्त लिखिए। इसका उपयोग करके किसी सघन माध्यम से विरल माध्यम में गमन करने वाली समतल तरंग के गमन पथ का चित्र विस्तार से दर्शाइए। *2*

20. उन अशुद्ध (अपद्रव्यी) परमाणुओं के नाम लिखिए जिनके द्वारा किसी नैज अर्धचालक को मादित किए जाने पर वह (a) p-प्रकार तथा (b) n-प्रकार का अर्धचालक बन जाता है। $T > 0$ K ताप पर p-प्रकार और n-प्रकार के अर्धचालकों के ऊर्जा बैण्ड आरेख खींचिए। इस आरेख पर दाता ऊर्जा स्तर तथा ग्राही ऊर्जा स्तर अंकित कीजिए और इनका संबंधित बैण्डों से ऊर्जा अन्तर को भी दर्शाइए। *2*

21. एक बिन्दुकित प्रकाश स्रोत किसी बाल्टी की तली, जिसमें 10 cm ऊँचाई तक $\mu = 1.25$ (अपवर्तनांक) का कोई द्रव भरा है, पर रखा है। परिकलित कीजिए :

(a) द्रव-वायु अन्तरापृष्ठ के लिए क्रांतिक कोण

(b) द्रव के पृष्ठ से निर्गत प्रकाश स्रोत द्वारा बनाए गए वृत्ताकार चमकीले भाग की त्रिज्या *2*

16. *Assertion (A) :* The torque acting on a current carrying coil is maximum when it is suspended in a radial magnetic field.

Reason (R) : The torque tends to rotate the coil on its own axis.

SECTION B

17. (a) A cell is connected across an external resistance 12 Ω and supplies 0.25 A current. When the external resistance is increased by 4 Ω, the current reduces to 0.2 A. Calculate (i) the emf, and (ii) the internal resistance, of the cell. *2*

OR

(b) Two point charges of 3 μC and 4 μC are kept in air at (0·3 m, 0) and (0, 0.3 m) in x-y plane. Find the magnitude and direction of the net electric field produced at the origin (0, 0). *2*

18. Differentiate between magnetisation and the susceptibility of a material. What can you say about the susceptibility of paramagnetic and diamagnetic materials ? *2*

19. State Huygens principle. Using it draw a diagram showing the details of passage of a plane wave from a denser into a rarer medium. *2*

20. Name the impurity atoms which are doped in an intrinsic semiconductor to convert it into (a) p-type, and (b) n-type semiconductor. Draw energy band diagrams of p-type and n-type semiconductors at temperature T > 0 K. Mark the donor and acceptor energy levels, showing the energy difference from the respective bands. *2*

21. A point light source rests on the bottom of a bucket filled with a liquid of refractive index μ = 1.25 up to height of 10 cm. Calculate :

(a) the critical angle for liquid-air interface

(b) radius of circular light patch formed on the surface by light emerging from the source. *2*

खण्ड ग

22. द्रव्यमान m और आवेश q का कोई कण वेग $\vec{v}$ से किसी चुम्बकीय क्षेत्र $\vec{B}$ में गतिमान है। कारण सहित इस कण के प्रक्षेप पथ की उन स्थितियों की चर्चा कीजिए जब $\vec{v}$ और $\vec{B}$ के बीच का कोण है : *3*

(a) $0°$

(b) $90°$

(c) $120°$

23. (a) कोई प्रकाश किरण किसी ऐसे पृष्ठ पर आपतन करती है जो वायु को अपवर्तनांक μ_1 के सघन माध्यम A से पृथक् करती है। इसके पश्चात यह किसी अन्य माध्यम B जिसका अपवर्तनांक μ_2 है के समान्तर पृष्ठ पर उतने ही कोण पर आपतन करती है। यदि इन दोनों माध्यमों में अपवर्तन कोण क्रमश: 30° और 35° हैं, तो इन दोनों माध्यमों (A और B) में से प्रकाश किसमें अधिक तीव्र गति से गमन करेगा और क्यों ?

(b) यंग के द्विझिरी प्रयोग में व्यतिकरण करती दो तरंगों में प्रत्येक की तीव्रता I_0 है। परदे के जिस बिन्दु पर व्यतिकरण करती हुई इन तरंगों के बीच पथान्तर (i) $\frac{\lambda}{2}$ तथा (ii) $\frac{\lambda}{3}$ है, वहाँ तीव्रता ज्ञात कीजिए। *3*

24. प्रकाश-विद्युत प्रभाव के प्रयोग में नीचे दिए गए विचरण दर्शाइए :

(a) किसी दिए गए पृष्ठ तथा आपतित विकिरणों की विभिन्न तीव्रताओं के लिए संग्राही पट्टिका विभव के साथ प्रकाश-विद्युत धारा का विचरण। क्या ये वक्र किसी बिन्दु पर मिलते हैं ? यदि हाँ, तो क्यों ?

(b) आवृत्ति और पट्टिका विभव को स्थिर रखते हुए किसी पृष्ठ पर आपतित विकिरणों की तीव्रता के साथ प्रकाश-विद्युत धारा का विचरण। *3*

SECTION C

22. A particle of mass m and charge q is moving in a magnetic field $\vec{B}$ with a velocity $\vec{v}$. Discuss, giving reasons, the shape of its trajectory when the angle between $\vec{v}$ and $\vec{B}$ is : *3*

(a) 0°

(b) 90°

(c) 120°

23. (a) A ray of light is incident on a surface separating air from a denser medium A of refractive index μ_1. It is then made incident on the parallel surface of another medium B of refractive index μ_2 at the same angle of incidence. If the angle of refraction in the two media are 30° and 35° respectively, then in which one of the two media (A or B) will light travel faster and why ?

(b) The intensity of the two interfering waves in Young's double slit experiment is I_0 each. Find the intensity at a point on the screen where path difference between the interfering waves is (i) $\frac{\lambda}{2}$, and (ii) $\frac{\lambda}{3}$. *3*

24. In photoelectric effect experiment, show the variation of

(a) photocurrent with collector plate potential for a given surface for different intensities of incident radiation. Do the curves meet at any point ? If so, why ?

(b) photocurrent with intensity of radiation incident on a surface keeping the frequency and plate potential fixed. *3*

25. 10 μC और 20 μC के दो बिन्दु आवेश $E = \frac{A}{r^2}$ विद्युत-क्षेत्र के प्रदेश में बिन्दुओं (– 4 cm, 0, 0) तथा (5 cm, 0, 0) पर स्थित हैं, जहाँ $A = 2 \times 10^6\ NC^{-1}\ m^2$ तथा $\vec{r}$ विचारणीय बिन्दु पर स्थिति सदिश है। इस निकाय की स्थिर-वैद्युत स्थितिज ऊर्जा परिकलित कीजिए। *3*

26. 200 V dc स्रोत से संयोजित किसी प्रेरक से 1 A धारा प्रवाहित होती है। जब इस चालक को 200 V, 50 Hz स्रोत से संयोजित करते हैं, तो केवल 0.5 A धारा प्रवाहित होती है। प्रेरक का स्व-प्रेरकत्व परिकलित कीजिए। *3*

27. समान त्रिज्या R तथा समान फेरों की संख्या N की दो वृत्ताकार कुण्डलियाँ एक दूसरे से $2\sqrt{3}$ R दूरी पर समाक्ष स्थित हैं तथा इनसे समान धारा I समान दिशा में प्रवाहित हो रही है। इन दोनों कुण्डलियों के केन्द्रों को मिलाने वाली रेखा के मध्य-बिन्दु पर नेट चुम्बकीय क्षेत्र का परिमाण और दिशा ज्ञात कीजिए। *3*

28. (a) किसी चालक तार AB, जिसकी त्रिज्या उसके एक सिरे A से दूसरे सिरे B तक एकसमान रूप से घट रही है, किसी बैटरी के सिरों से संयोजित है। इस तार में सिरे A से सिरे B तक (i) विद्युत-क्षेत्र, (ii) धारा घनत्व, तथा (iii) इलेक्ट्रॉनों की गतिशीलता किस प्रकार परिवर्तित होगी ? प्रत्येक प्रकरण में अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए। *3*

अथवा

(b) आरेख में दर्शाए अनुसार दो बड़े समतल चादर P_1 और P_2, जिनके आवेश घनत्व क्रमश: $+\sigma$ और -3σ हैं, एक दूसरे के समान्तर स्थित हैं। बिन्दुओं A, B और C पर नेट विद्युत-क्षेत्र ($\vec{E}$) ज्ञात कीजिए। *3*

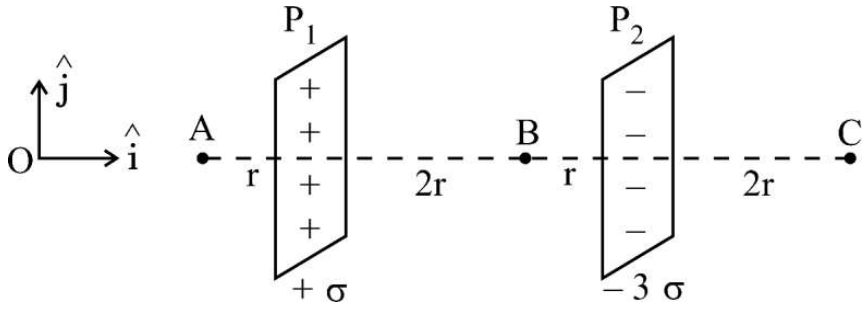

25. Two point charges of 10 μC and 20 μC are located at points (– 4 cm, 0, 0) and (5 cm, 0, 0) respectively, in a region with electric field $E = \frac{A}{r^2}$, where $A = 2 \times 10^6\ NC^{-1}\ m^2$ and $\vec{r}$ is the position vector of the point under consideration. Calculate the electrostatic potential energy of the system. *3*

26. A current of 1 A flows through an inductor connected to a 200 V dc source. When it is connected to 200 V, 50 Hz source, only 0.5 A current flows. Calculate the self-inductance of the inductor. *3*

27. Two circular coils of radius R each and having equal number of turns N, carry equal currents I in the same direction. They are placed coaxially at a distance $2\sqrt{3}$ R. Find the magnitude and direction of the net magnetic field produced at the midpoint of the line joining their centres. *3*

28. (a) The radius of a conducting wire AB uniformly decreases from its one end A to another end B. It is connected across a battery. How will (i) electric field, (ii) current density, and (iii) mobility of electrons change from end A to end B ? Justify your answer in each case. *3*

OR

(b) Two large plane sheets P_1 and P_2 having charge densities + σ and – 3 σ respectively are arranged parallel to each other as shown in the figure. Find the net electric field ($\vec{E}$) at points A, B and C. *3*

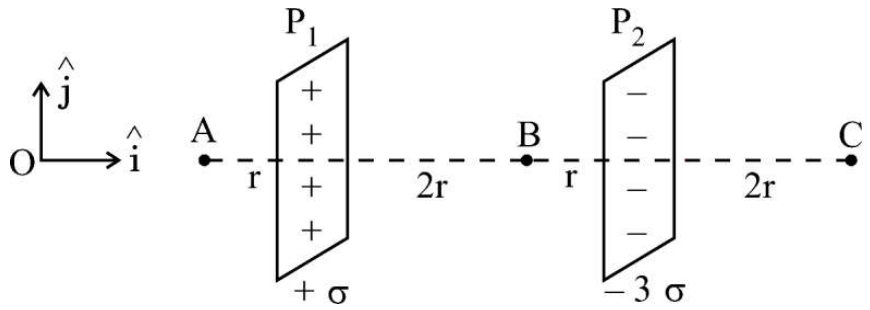

खण्ड घ

*प्रश्न संख्या **29** तथा **30** केस अध्ययन-आधारित प्रश्न हैं। निम्नलिखित अनुच्छेदों को पढ़ कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

29. ac को dc में परिवर्तित करने की प्रक्रिया को दिष्टकरण कहते हैं तथा इस प्रक्रिया को करने वाली युक्ति को दिष्टकारी कहते हैं। जब किसी संधि डायोड पर कोई ac सिग्नल धनात्मक अर्धचक्र पर लगता है तो वह डायोड अग्रदिशिक बायसित हो जाता है तथा उससे धारा प्रवाहित होती है। ऋणात्मक अर्धचक्र की अवधि में, डायोड पश्चदिशिक बायसित हो जाता है और उससे कोई धारा प्रवाहित नहीं होती है। इस प्रकार ac सिग्नल का दिष्टकरण हो जाता है। p-n संधि डायोडों का उपयोग अर्ध-तरंग दिष्टकारी और पूर्ण-तरंग दिष्टकारी के रूप में किया जा सकता है।

(i) दिए गए परिपथ में कौन-सा/से बल्ब चमकेगा/चमकेंगे ? *1*

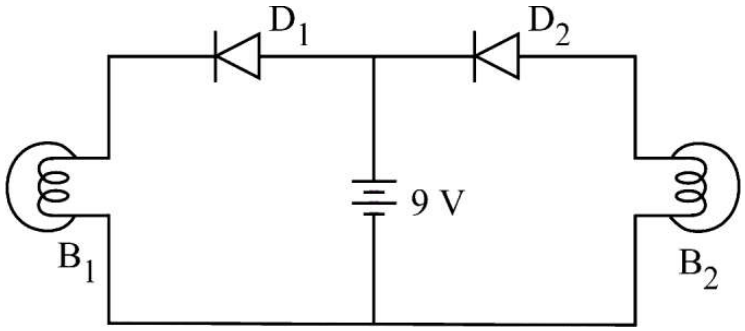

(A) केवल B_1 (B) केवल B_2

(C) B_1 और B_2 दोनों (D) न तो B_1 और न ही B_2

(ii) (a) आरेख में पूर्ण-तरंग दिष्टकारी परिपथ दर्शाया गया है। निर्गत तरंगरूप में संधि डायोड D_1 का योगदान है : *1*

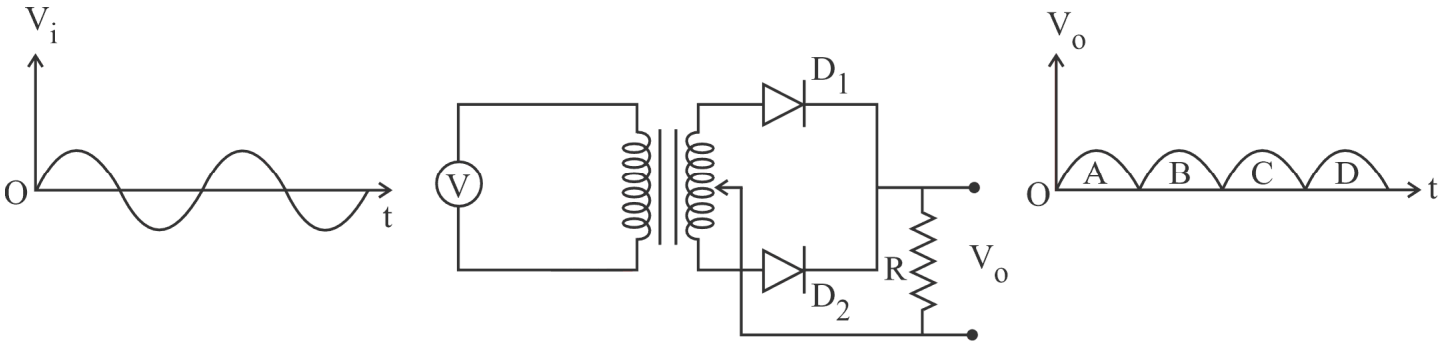

(A) A, D (B) A, C

(C) B, D (D) B, C

अथवा

SECTION D

*Questions number **29** and **30** are case study-based questions. Read the following paragraphs and answer the questions that follow.*

29. The process of converting ac into dc is called rectification and the device used is called a rectifier. When ac signal is fed to a junction diode during positive half cycle, the diode is forward biased and current flows through it. During the negative half cycle, the diode is reverse biased and it does not conduct. Thus the ac signal is rectified. The p-n junction diodes can be used as half-wave and full-wave rectifiers.

(i) Which bulb/bulbs will glow in the given circuit ? *1*

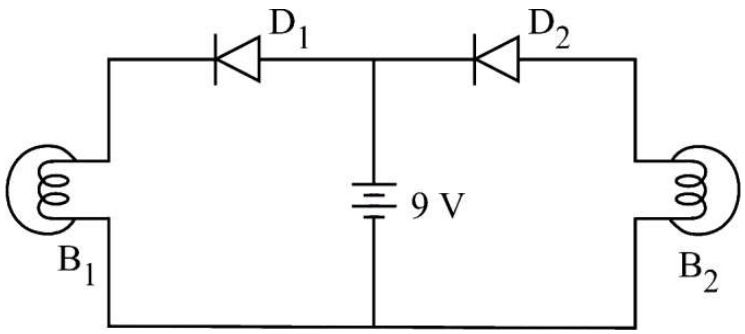

(A) B_1 only (B) B_2 only

(C) Both B_1 and B_2 (D) Neither B_1 nor B_2

(ii) (a) A full-wave rectifier circuit is shown in the figure. The contribution in output waveform from junction diode D_1 is : *1*

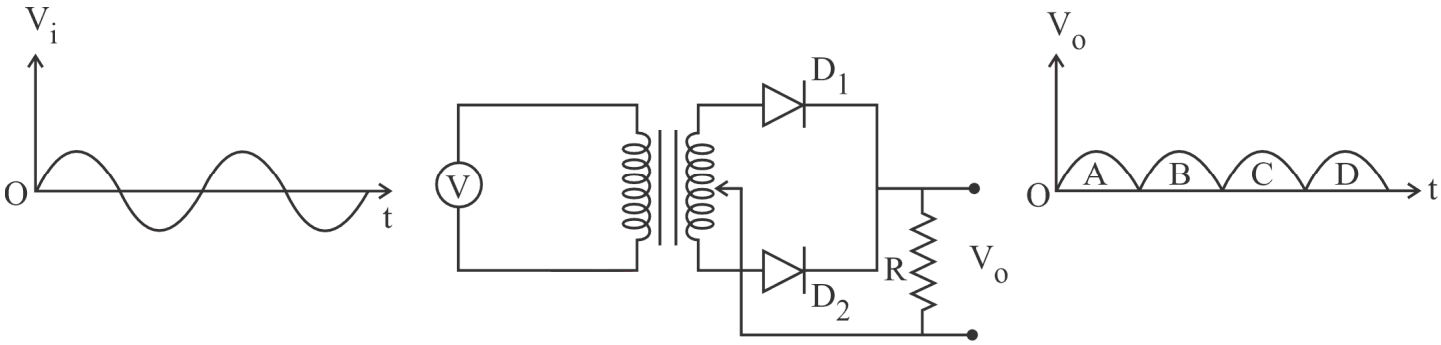

(A) A, D (B) A, C

(C) B, D (D) B, C

OR

(b) किसी अर्ध-तरंग दिष्टकारी का निर्गत होता है : *1*

(A) बिना उर्मिका का एकदिशिक (B) स्थायी और सतत

(C) उर्मिका के साथ एकदिशिक (D) स्थायी और असतत

(iii) p-n संधि डायोड में p-फलक पर और n-फलक पर बहुसंख्यक आवेश क्रमश: होते हैं : *1*

(A) इलेक्ट्रॉन, इलेक्ट्रॉन (B) इलेक्ट्रॉन, होल

(C) होल, होल (D) होल, इलेक्ट्रॉन

(iv) यदि अर्ध-तरंग दिष्टकारी की आवृत्ति 50 Hz है, तो पूर्ण-तरंग दिष्टकारी की आवृत्ति होगी : *1*

(A) 25 Hz (B) 50 Hz

(C) 100 Hz (D) 200 Hz

30. द्विध्रुवों की, चाहे वह वैद्युतीय हों अथवा चुम्बकीय, अभिलाक्षणिक विशेषता उनके द्विध्रुव आघूर्ण होते हैं, जो सदिश राशियाँ हैं। लघु दूरी द्वारा पृथकित दो समान और विजातीय आवेश विद्युत द्विध्रुव का निर्माण करते हैं, जबकि कोई धारावाही पाश चुम्बकीय द्विध्रुव की भाँति व्यवहार करता है। विद्युत द्विध्रुव अपने चारों ओर विद्युत-क्षेत्र उत्पन्न करते हैं। किसी बाह्य विद्युत-क्षेत्र में स्थित किए जाने पर विद्युत द्विध्रुव बल-आघूर्ण का अनुभव करते हैं।

(i) दो सर्वसम विद्युत द्विध्रुवों को, जिनमें प्रत्येक द्विध्रुव दूरी d द्वारा पृथकित दो आवेशों – q और + q से बना है, x-y तल में इस प्रकार व्यवस्थित किया गया है कि इनके ऋणावेश मूल-बिन्दु O पर हैं तथा धनावेश क्रमश: बिन्दुओं (d, 0) और (0, d) पर स्थित हैं। इस निकाय का कुल द्विध्रुव आघूर्ण है : *1*

(A) $-q\,d\,(\hat{i}+\hat{j})$ (B) $q\,d\,(\hat{i}+\hat{j})$

(C) $q\,d\,(\hat{i}-\hat{j})$ (D) $q\,d\,(\hat{j}-\hat{i})$

(b) The output in a half-wave rectifier is : *1*

(A) unidirectional without ripple (B) steady and continuous

(C) unidirectional with ripple (D) steady but discontinuous

(iii) In a p-n junction diode, the majority charge carriers on p-side and on n-side are, respectively : *1*

(A) electrons, electrons (B) electrons, holes

(C) holes, holes (D) holes, electrons

(iv) If the frequency of the half-wave rectifier is 50 Hz, the frequency of full-wave rectifier is : *1*

(A) 25 Hz (B) 50 Hz

(C) 100 Hz (D) 200 Hz

30. Dipoles, whether electric or magnetic, are characterised by their dipole moments, which are vector quantities. Two equal and opposite charges separated by a small distance constitute an electric dipole, while a current carrying loop behaves as a magnetic dipole. Electric dipoles create electric fields around them. Electric dipoles experience a torque when placed in an external electric field.

(i) Two identical electric dipoles, each consisting of charges $-q$ and $+q$ separated by distance d, are arranged in x-y plane such that their negative charges lie at the origin O and positive charges lie at points (d, 0) and (0, d) respectively. The net dipole moment of the system is : *1*

(A) $-q\,d\,(\hat{i}+\hat{j})$ (B) $q\,d\,(\hat{i}+\hat{j})$

(C) $q\,d\,(\hat{i}-\hat{j})$ (D) $q\,d\,(\hat{j}-\hat{i})$

(ii) 2a दूरी से पृथकित तथा – q और + q आवेशों के बने किसी द्विध्रुव के कारण दूरी r (>> a) के (1) किसी बिन्दु जो उसके अक्ष पर स्थित है, तथा (2) किसी बिन्दु जो विषुवतीय तल पर स्थित है, पर विद्युत-क्षेत्र के परिमाण क्रमश: E_1 और E_2 हैं। तब $\left(\frac{E_1}{E_2}\right)$ है : *1*

(A) $\frac{1}{4}$ (B) $\frac{1}{2}$ (C) 2 (D) 4

(iii) 5.0×10^{-8} Cm द्विध्रुव आघूर्ण का कोई विद्युत द्विध्रुव किसी ऐसे प्रदेश में रखा है जहाँ किसी दिए गए क्षण पर विद्युत-क्षेत्र का परिमाण 1.0×10^3 N/C है। इस क्षण पर विद्युत-क्षेत्र $\vec{E}$ का द्विध्रुव आघूर्ण $\vec{P}$ से झुकाव 30° है। इस क्षण द्विध्रुव पर कार्यरत बल-आघूर्ण का परिमाण है : *1*

(A) 2.5×10^{-5} Nm (B) 5.0×10^{-5} Nm

(C) 1.0×10^{-4} Nm (D) 2.0×10^{-6} Nm

(iv) (a) हाइड्रोजन परमाणु में कोई इलेक्ट्रॉन किसी प्रोटॉन के चारों ओर चाल v से त्रिज्या r की वृत्ताकार कक्षा में परिक्रमा कर रहा है। इस इलेक्ट्रॉन के चुम्बकीय द्विध्रुव आघूर्ण का परिमाण है : *1*

(A) 4 evr (B) 2 evr

(C) $\frac{1}{2}$ evr (D) $\frac{1}{4}$ evr

अथवा

(b) भुजा 5.0 cm के वर्गाकार पाश से 2.0 A की धारा प्रवाहित हो रही है। इस पाश से संबद्ध चुम्बकीय द्विध्रुव आघूर्ण का परिमाण है : *1*

(A) 1.0×10^{-3} Am^2 (B) 5.0×10^{-3} Am^2

(C) 1.0×10^{-2} Am^2 (D) 5.0×10^{-2} Am^2

(ii) E_1 and E_2 are magnitudes of electric field due to a dipole, consisting of charges –q and +q separated by distance 2a, at points r (>> a) (1) on its axis, and (2) on equatorial plane, respectively. Then $\left(\frac{E_1}{E_2}\right)$ is : *1*

(A) $\frac{1}{4}$ (B) $\frac{1}{2}$ (C) 2 (D) 4

(iii) An electric dipole of dipole moment 5.0×10^{-8} Cm is placed in a region where an electric field of magnitude 1.0×10^3 N/C acts at a given instant. At that instant the electric field $\vec{E}$ is inclined at an angle of 30° to dipole moment $\vec{P}$. The magnitude of torque acting on the dipole, at that instant is : *1*

(A) 2.5×10^{-5} Nm (B) 5.0×10^{-5} Nm

(C) 1.0×10^{-4} Nm (D) 2.0×10^{-6} Nm

(iv) (a) An electron is revolving with speed v around the proton in a hydrogen atom, in a circular orbit of radius r. The magnitude of magnetic dipole moment of the electron is : *1*

(A) 4 evr (B) 2 evr

(C) $\frac{1}{2}$ evr (D) $\frac{1}{4}$ evr

OR

(b) A square loop of side 5.0 cm carries a current of 2.0 A. The magnitude of magnetic dipole moment associated with the loop is : *1*

(A) 1.0×10^{-3} Am^2 (B) 5.0×10^{-3} Am^2

(C) 1.0×10^{-2} Am^2 (D) 5.0×10^{-2} Am^2

खण्ड ङ

31. (a) (i) नामांकित आरेख की सहायता से किसी ac जनित्र की कार्यविधि की व्याख्या कीजिए। किसी क्षण 't' पर प्रेरित वि.वा.बल (emf) के लिए व्यंजक प्राप्त कीजिए।

(ii) कोई लम्बा, सीधा क्षैतिज तार X′X स्थिर रखा है तथा इससे 3.0 A धारा प्रवाहित हो रही है । आरेख में दर्शाए अनुसार इस तार X′X के पास कोई वर्गाकार पाश MNPS, जिसकी भुजा की लम्बाई 10 cm है तथा जिससे 1.0 A धारा प्रवाहित हो रही है, रखा है । इस तार के कारण पाश पर लगने वाले नेट चुम्बकीय बल का परिमाण और दिशा ज्ञात कीजिए। *5*

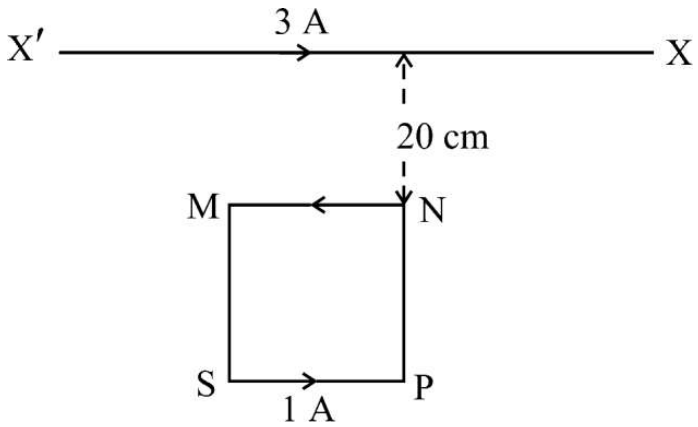

अथवा

(b) (i) फैराडे के विद्युत-चुम्बकीय प्रेरण के नियमों का उल्लेख कीजिए तथा लेंज़ के नियम का उपयोग लिखिए । किसी कुण्डली के स्व-प्रेरकत्व के लिए उसकी ज्यामितीय संरचना तथा माध्यम की चुम्बकशीलता के पदों में व्यंजक प्राप्त कीजिए।

(ii) किसी 220 V की परिवर्ती आवृत्ति की ac आपूर्ति के साथ श्रेणी में एक 20 Ω का प्रतिरोध, 80 μF का संधारित्र तथा 50 mH का प्रेरक संयोजित हैं । जब आपूर्ति की आवृत्ति इस परिपथ की मूल (प्राकृतिक) आवृत्ति के बराबर है, तो परिकलित कीजिए :

(1) आपूर्ति की कोणीय आवृत्ति

(2) परिपथ की प्रतिबाधा *5*

SECTION E

31. (a) (i) With the help of a labelled diagram, explain the working of an ac generator. Obtain the expression for the emf induced at an instant 't'.

(ii) A long, straight horizontal wire X′X is held stationary and carries a current of 3.0 A. A square loop MNPS of side 10 cm, carrying a current of 1.0 A is kept near the wire X′X as shown in the figure. Find the magnitude and direction of the net magnetic force acting on the loop due to the wire. *5*

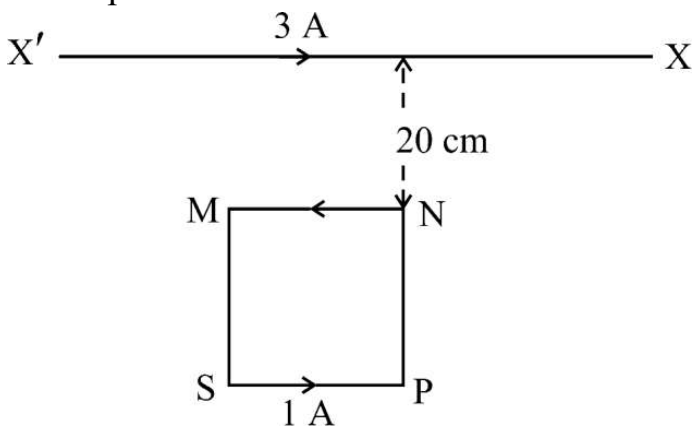

OR

(b) (i) State Faraday's law of electromagnetic induction and mention the utility of Lenz's law. Obtain an expression for self-inductance of a coil in terms of its geometry and permeability of the medium.

(ii) A resistance of 20 Ω, a capacitance of 80 μF and an inductor of 50 mH are connected in series. This combination is connected across a 220 V ac supply of variable frequency. When the frequency of supply equals the natural frequency of the circuit, calculate :

(1) angular frequency of supply

(2) impedance of the circuit *5*

32. (a) (i) किसी खगोलीय दूरबीन के अभिदृश्यक तथा अभिनेत्र लेन्सों की अभिकल्पना करते समय किन दो मुख्य बातों को ध्यान में रखा जाता है ? किसी दूरबीन की आवर्धन क्षमता के लिए उस स्थिति में व्यंजक प्राप्त कीजिए जब अंतिम प्रतिबिम्ब अनन्त पर बनता है।

(ii) कोई प्रकाश किरण किसी समबाहु त्रिभुजाकार प्रिज़्म के एक फलक पर 45° के कोण पर आपतन करती है और प्रिज़्म से सममितत: गुज़र जाती है। परिकलित कीजिए :

(1) प्रिज़्म द्वारा उत्पन्न विचलन कोण

(2) प्रिज़्म के पदार्थ का अपवर्तनांक *5*

अथवा

(b) (i) एकल झिरी के विवर्तन पैटर्न के प्रेक्षण के लिए किसी सरल क्रियाकलाप का वर्णन कीजिए।

(ii) नीचे दिए गए आरेख में दर्शाए अनुसार कोई समोत्तल लेंस (अपवर्तनांक 1.50) किसी समतल दर्पण के फलक पर किसी द्रव की परत के सम्पर्क में रखा है। कोई छोटी सुई जिसकी नोक लेंस के मुख्य अक्ष पर है, अक्ष के अनुदिश ऊपर-नीचे गति कराकर इस प्रकार समायोजित की जाती है कि सुई की नोक का उल्टा प्रतिबिम्ब सुई की स्थिति पर ही बने। लेंस से सुई की दूरी मापने पर 45.0 cm पाई जाती है। जब द्रव को हटाकर इसी प्रयोग को दुबारा किया जाता है, तो नई दूरी 30.0 cm पाई जाती है। द्रव का अपवर्तनांक ज्ञात कीजिए। *5*

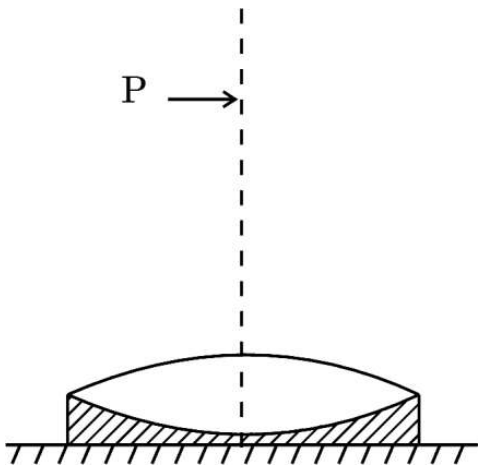

32. (a) (i) What are the two main considerations for designing the objective and eyepiece lenses of an astronomical telescope ? Obtain the expression for magnifying power of the telescope when the final image is formed at infinity.

(ii) A ray of light is incident at an angle of 45° at one face of an equilateral triangular prism and passes symmetrically through the prism. Calculate :

(1) the angle of deviation produced by the prism

(2) the refractive index of the material of the prism *5*

OR

(b) (i) Describe a simple activity to observe diffraction pattern due to a single slit.

(ii) The figure below shows an equiconvex lens (of refractive index 1.50) in contact with a liquid layer on top of a plane mirror. A small needle with its tip on the principal axis is moved along the axis until its inverted image is found at the position of the needle. The distance of the needle from the lens is measured to be 45.0 cm. When the liquid is removed and the experiment is repeated, the new distance is 30.0 cm. Find the refractive index of the liquid. *5*

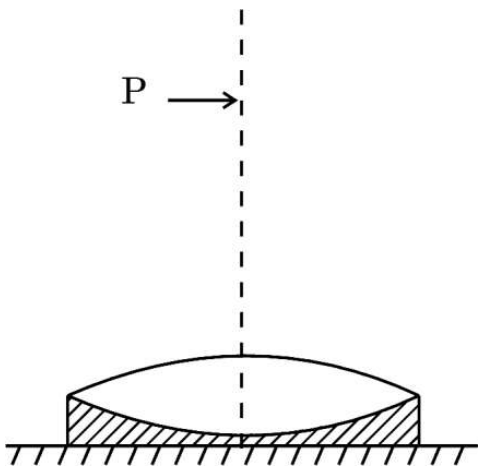

33. (a) (i) द्रव्य तरंगें किन्हें कहते हैं ? द्रव्यमान m तथा आवेश q के किसी कण को किसी विभवान्तर V द्वारा विराम से त्वरित किया गया है । इस कण से संबद्ध दे ब्रॉग्ली तरंगदैर्ध्य के लिए व्यंजक प्राप्त कीजिए।

(ii) 3.315 mW निर्गत शक्ति के किसी स्रोत द्वारा 5.0×10^{14} Hz आवृत्ति का एकवर्णी प्रकाश उत्पन्न किया गया है। परिकलित कीजिए :

(1) इस प्रकाश पुन्ज में फ़ोटॉन की ऊर्जा

(2) स्रोत द्वारा प्रति सेकण्ड उत्सर्जित फ़ोटॉनों की संख्या *5*

अथवा

(b) (i) बोर के अभिगृहीतों का उल्लेख कीजिए तथा हाइड्रोजन परमाणु के बोर के मॉडल में nवीं कक्षा के इलेक्ट्रॉन की ऊर्जा के लिए व्यंजक व्युत्पन्न कीजिए।

(ii) ${}^{12}_{6}C$ की प्रति न्यूक्लिऑन बंधन ऊर्जा का (MeV में) परिकलन कीजिए। *5*

दिया गया है :

$$m\left({}^{12}_{6}C\right) = 12.000000 \text{ u}$$

$$m\left({}^{1}_{0}n\right) = 1.008665 \text{ u}$$

$$m\left({}^{1}_{1}H\right) = 1.007825 \text{ u}$$

33. (a) (i) What are matter waves ? A particle of mass m and charge q is accelerated from rest through a potential difference V. Obtain an expression for de Broglie wavelength associated with the particle.

(ii) Monochromatic light of frequency 5.0×10^{14} Hz is produced by a source of power output 3.315 mW. Calculate :

(1) energy of the photon in the beam

(2) number of photons emitted per second by the source *5*

OR

(b) (i) State Bohr's postulates and derive an expression for the energy of electron in n^{th} orbit in Bohr's model of hydrogen atom.

(ii) Calculate binding energy per nucleon (in MeV) of $^{12}_{6}C$. *5*

Given :

$$m\left(^{12}_{6}C\right) = 12.000000 \text{ u}$$

$$m\left(^{1}_{0}n\right) = 1.008665 \text{ u}$$

$$m\left(^{1}_{1}H\right) = 1.007825 \text{ u}$$

SUBJECT NAME PHYSICS [PAPER CODE 55/S/2]

General Instructions: -

1	You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.
2	**"Evaluation policy is a confidential policy as it is related to the confidentiality of the examinations conducted, Evaluation done and several other aspects. Its' leakage to public in any manner could lead to derailment of the examination system and affect the life and future of millions of candidates. Sharing this policy/document to anyone, publishing in any magazine and printing in News Paper/Website etc may invite action under various rules of the Board and IPC."**
3	Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and due marks be awarded to them. In class-X, while evaluating two competency-based questions, please try to understand given answer and even if reply is not from marking scheme but correct competency is enumerated by the candidate, due marks should be awarded.**
4	The Marking scheme carries only suggested value points for the answers These are in the nature of Guidelines only and do not constitute the complete answer. The students can have their own expression and if the expression is correct, the due marks should be awarded accordingly.
5	The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. If there is any variation, the same should be zero after delibration and discussion. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.
6	Evaluators will mark(√) wherever answer is correct. For wrong answer CROSS 'X" be marked. Evaluators will not put right (✓)while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**
7	If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.
8	If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.
9	If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out with a note **"Extra Question"**.
10	No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.
11	A full scale of marks 0-70 (example 0 to 80/70/60/50/40/30 marks as given in Question Paper) has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.
12	Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e., 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).This is in view of the reduced syllabus and number of questions in question paper.

	● Wrong totaling of marks awarded on an answer. ● Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page. ● Wrong question wise totaling on the title page. ● Wrong totaling of marks of the two columns on the title page. ● Wrong grand total. ● Marks in words and figures not tallying/not same. ● Wrong transfer of marks from the answer book to online award list. ● Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.) ● Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.
14	While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.
15	Any un assessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.
16	The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the "**Guidelines for spot Evaluation**" before starting the actual evaluation.
17	Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totaled and written in figures and words.
18	The candidates are entitled to obtain photocopy of the Answer Book on request on payment of the prescribed processing fee. All Examiners/Additional Head Examiners/Head Examiners are once again reminded that they must ensure that evaluation is carried out strictly as per value points for each answer as given in the Marking Scheme.

प्र.सं	मूल्यांकन बिंदु/अपेक्षित उत्तर	अंक	कुल अंक
	(खंड अ)		
1.	(B) -0.925	1	1
2.	(B) 4:1	1	1
3.	(A) $V_A = V_B = V_C$	1	1
4.	(C) 20μF	1	1
5.	(A)न्यूट्रॉनों की संख्या समान परन्तु प्रोटॉनों की संख्या भिन्न होती है।	1	1
6.	(C) +y अक्ष, $\frac{2\pi}{\lambda}$	1	1
7.	(B) 45^0	1	1
8.	(C)प्रत्यक्ष (सम्मुख) संघट्ट करने वाले ऐल्फा कणों की संख्या कम होती है।	1	1
9.	(D) 13.6 e V	1	1
10.	(D) पहले वास्तविक और फिर आभासी बनता है |	1	1
11.	(B) होल p-फलक से n-फलक की ओर प्रवाहित होते हैं |	1	1
12.	(B) कुंडली में प्रवाहित धारा	1	1
13.	(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है |	1	1
14.	(D) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनो गलत हैं|	1	1
15.	(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परन्तु कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है	1	1
16.	(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परन्तु कारण R अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है |	1	1
	SECTION B		
17.	(i) सेल के emf का परिकलन 1 (ii) सेल के आंतरिक प्रतिरोध का परिकलन 1 $I = \frac{\varepsilon}{R+r}$ $0.25 = \frac{\varepsilon}{12+r}$ -----(1) $0.2 = \frac{\varepsilon}{16+r}$ -------(2) समीकरण (1) तथा (2) को हल करने पर $r = 4\Omega$ $\varepsilon = 4\,V$	½ ½ ½ ½	2

	विद्युत् क्षेत्र का परिमाण ज्ञात करना विद्युत् क्षेत्र की दिशा ज्ञात करना	1 ½ ½	

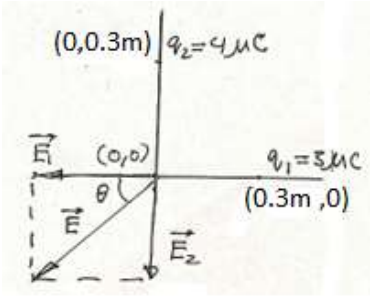

$$\vec{E}_1 = \frac{kq_1}{r_1^2}(-\hat{i}) = \frac{9\times10^9\times3\times10^{-6}}{(0.3)^2}(-\hat{i}) = 3\times10^5(-\hat{i})\,\mathrm{NC}^{-1}$$ ½

$$\vec{E}_2 = \frac{kq_2}{r_2^2}(-\hat{j}) = \frac{9\times10^9\times4\times10^{-6}}{(0.3)^2}(-\hat{j}) = 4\times10^5(-\hat{j})\,\mathrm{NC}^{-1}$$ ½

$\vec{E} = \vec{E}_1 + \vec{E}_2$

$E = \sqrt{E_1^2 + E_2^2}$

$E = 5\times10^5\ \mathrm{NC}^{-1}$ ½

$\tan\theta = \frac{4}{3}$

$\theta = \tan^{-1}\left(\frac{4}{3}\right)$ मूल बिंदु पर X अक्ष से झुकाव (तृतीय चतुर्थांश) ½

2

18.

चुंबकीकरण और चुंबकीय प्रवृत्ति के बीच आवृत्ति अनुचुंबकीय और प्रतिचुम्ब्कीय प्रवृत्ति पर चर्चा	1 ½ + ½	

प्रति एकांक आयतन नेट चुंबकीय आघूर्ण कोचुंबकीय करण कहते हैं।

वैकल्पिकउत्तर:-

$\vec{M} = \frac{\vec{m}_{net}}{v}$ ½

किसी माध्यम की चुंबकीय प्रवृत्ति की माप उस माध्यम की किसी बाह्य चुंबकीय क्षेत्र से व्यवहार करने की माप होता है|

वैकल्पिकउत्तर:- ½

$\vec{M} = x\vec{H}$ ½

0 & ε के बीच किसी अनुचुंबकीय पदार्थ की चुंबकीय प्रवृत्ति

वैकल्पिकउत्तर:- ½

O< x< 1 के बीच किसी प्रतिचुम्ब्कीय पदार्थ की चुंबकीय प्रवृत्ति $-1 \le x < o$

2

हाइगॅस के सिद्धांत के अनुसार, तरंगाग्र का प्रत्येक बिंदु एक द्वितीयक विक्षोभ का स्रोत है और इन बिंदुओं से होने वाली तरंगिकाएँ तरंग की गति से सभी दिशाओं में फैलती हैं। तरंगाग्र से निर्गमन होने वाली इन तरंगिकाओं को प्रायः द्वितीयक तरंगिकाओं के नाम से जाना जाता है और यदि हम इन सभी गोलों पर एक उभयनिष्ठ स्पर्शक पृष्ठ खींचें तो हमें किसी बाद के समय पर तरंगाग्र की नयी स्थिति प्राप्त हो जाती है।

1

.

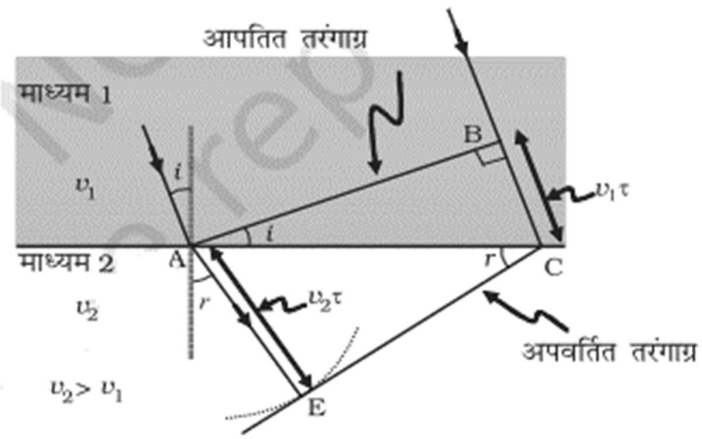

1

2

20.

निम्नलिखित अर्धचालकों में अपद्रव्यी परमाणु का नाम

(a) p- प्रकार ½

(b) n- प्रकार ½

ऊर्जा बैंड आरेख

p- प्रकार ½

n- प्रकार ½

a) प्रकार के अर्धचालकों का अपद्रव्यी प्रमाण (ग्रुप 13) त्रिसंयोजी परमाणु ग्राही अपद्रव्यी परमाणु कहलाता है।

½

(b) n-प्रकार के अर्धचालकों का अपद्रव्यी परमाणु (ग्रुप 15 अथवा पंच संयोजी परमाणु) दाता अपद्रव्यी परमाणु कहलाता है।

½

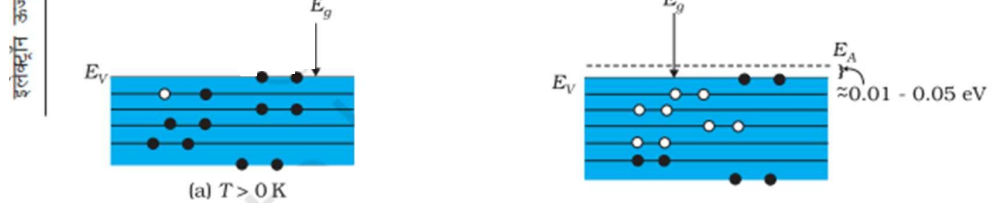

(a) $T > 0$ K (b) $T > 0$ K

एक तापीय जनित इलेक्ट्रॉन-होल युग्म तथा दाता परमाणुओं के 9 इलेक्ट्रॉन

½ + ½ | 2

21.

(a)	क्रांतिक कोण का परिकलन	1
(b)	वृताकार चमकीले भाग की त्रिज्या का परिकलन	1

(a) $\sin i_c = \frac{1}{\mu}$ ½

$\sin i_c = \frac{4}{5} \quad (\mu = 1.25 = \frac{5}{4})$

$i_c = \sin^{-1}(\frac{4}{5})$ ½

$or\ i_c = 53^o$

(b) $\sin i_c = \frac{r}{\sqrt{r^2+h^2}}$ ½

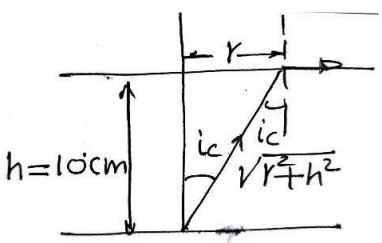

$\frac{r^2}{r^2+h^2} = \left(\frac{4}{5}\right)^2$

$25r^2 = 16r^2 + 16h^2$

$9r^2 = 1600$

$r = \frac{40}{3} cm$ ½ | 2

SECTION C

22.

कारण देते हुए उस स्थिति में प्रक्षेप पथ की आकृति खींचना जिसमे के $\vec{V}$ & $\vec{B}$ बीच का कोण

(a) 0^0 ½ + ½

(b) 90^0 ½ + ½

(c) 120^0 ½ + ½

(a) हमे ज्ञात है कि $\vec{F} = q(\vec{v} \times \vec{B})$ ½

वैकल्पिक उतर - कण सरल रेखा में गति करता है|

$\vec{v}$ & $\vec{B}$ के बीच कोण 0^0 है अतः $\vec{F} = 0$ ½

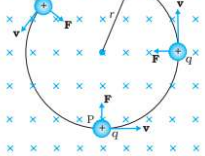

½

$F, \vec{v} \& \vec{B}$ दोनों के लंबवत है | ½

(c)

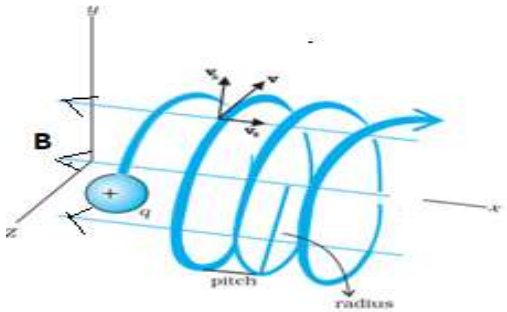

½

वैकल्पिक उत्तर:- कण तृतीय पथ में गति करता है |

$F = q\,v\,B\,Sin\theta$

$F = q\,v\,B\,Sin\theta$ चुंबकीय क्षेत्र के समान्तर वेग का घटक आवेश को वेग कि दिशा में गमन कि प्रवृत्ति प्रदान करता है जबकि चुंबकीय क्षेत्र के लंबवत वेग का घटक आवेश का वृतीय पथ के अनुदिश गमन कि प्रवृत्ति प्रदान करता है, फलस्वरूप आवेश सर्पिलाकार पथ में गमन करता है। ½

3

23.

(a) माध्यम की पहचान करना	½
उत्तर की पुष्टि	½
(a) (i) पथांतर $=\frac{\lambda}{2}$ के लिए तीव्रता ज्ञात करना	1
(ii) पथांतर $=\frac{\lambda}{3}$ के लिए तीव्रता ज्ञात करना	1

(a) माध्यम B में प्रकाश तीव्र गति से गमन करता है। ½

$$\mu_1 = \frac{\sin i}{\sin r_1}$$

$$\mu_2 = \frac{\sin i}{\sin r_2}$$

$$\Rightarrow \frac{\mu_1}{\mu_2} = \frac{v_2}{v_1} > 1$$

½

$\therefore \quad v_2 > v_1$

(b)

$$I = 4I_0 \cos^2 \frac{\phi}{2}$$

½

(i) $\phi = \frac{2\pi}{\lambda} \times \frac{\lambda}{2} = \pi$ ½

$I = 4I_0 (\cos\frac{\pi}{2})^2 = 0$ ½

(ii) $\phi = \frac{2\pi}{\lambda} \times \frac{\lambda}{3} = \frac{2\pi}{3}$ ½

$I = 4I_0 (\cos\frac{\pi}{3})^2$

$I = I_0$ ½

3

24.

(a) संग्राही पट्टिका के विभव के साथ प्रकाश धारा के विचरण को दर्शाना 1
व्याख्या 1
(b) आपतित विकिरणों की तीव्रता के साथ प्रकाश धारा के विचरण को दर्शाना 1

(a)

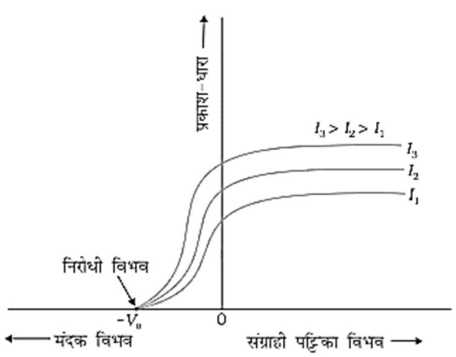

1

(b) हाँ, ये वक्र निरोधी विभव पर मिलते हैं। ½

किसी दिए गए पृष्ठ के लिए चूँकि निरोधी विभव पर फोटॉनों की ऊर्जा प्रकाश की तीव्रता पर निर्भर नहीं करती है| अतः निरोधी विभव पर प्रकाश धारा शून्य हो जाती है। ½

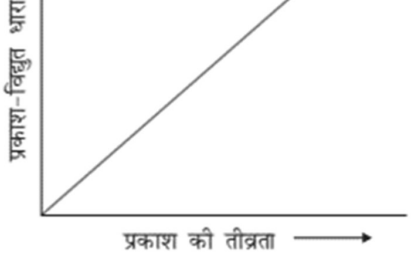

1

3

25.

निकाय की स्थिर वैद्युत स्थितिज ऊर्जा 3

$$U = \frac{kq_1q_2}{r_{12}} + q_1V_1 + q_2V_2$$

1

$$\frac{kq_1q_2}{r_{12}} = \frac{9\times10^9\times10\times10^{-6}\times20\times10^{-6}}{9\times10^{-2}} = 20\text{J}$$

½

$$q_1V_1 = q_1\frac{A}{r_1} = \frac{10\times10^{-6}\times2\times10^6}{4\times10^{-2}} = 500\text{J}$$

½

$$q_2V_2 = q_2\frac{A}{r_2} = \frac{20\times10^{-6}\times2\times10^6}{5\times10^{-2}} = 800\text{J}$$

½

$$\text{U} = (20+500+800)\,\text{J}$$

$$U = 1320\,\text{J}$$

½

3

26.

प्रेरक का स्वप्रेरकत्व परिकलित करना 3

प्रतिरोध $(\text{R}) = \frac{V}{I} = \frac{200}{1} = 200\Omega$

½

½

प्रतिबाधा $(\text{Z}) = \frac{V}{I} = \frac{200}{0.5} = 400\Omega$

½

$$\text{Z} = \sqrt{R^2 + X_L^2}$$

½

$$(400)^2 = (200)^2 + \omega^2L^2$$

हल करने पर

$$L = \frac{2\sqrt{3}}{\pi}H$$

$$L = \frac{2}{\sqrt{3}}H$$

1

3

नेट चुंबकीय क्षेत्र की दिशा 1

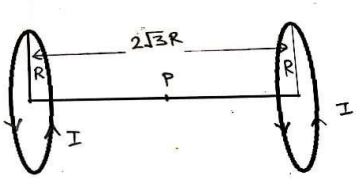

वृत्ताकार कुंडली के अक्ष के किसी बिंदु पर कुंडली पर चुंबकीय क्षेत्र

$$B = \frac{\mu_0 I R^2}{2(a^2 + R^2)^{3/2}}$$ ½

दोनों वृत्ताकार कुंडलियों के अक्ष के मध्य बिंदु पर नेट चुंबकीय क्षेत्र

$$B_1 + B_2$$ ½

$$= \frac{\mu_0 I R^2}{(a^2 + R^2)^{3/2}}$$

$$\left(\therefore\ a = \sqrt{3}R\right)$$ ½

नेट चुंबकीय क्षेत्र $B = \dfrac{\mu_0 I R^2}{(3R^2 + R^2)^{3/2}}$

½

$$B = \frac{\mu_0 I}{8R}$$

नेट चुंबकीय क्षेत्र की दिशा बाएं तथा दाएं यह दोनों कुंडलियों में धारा की दिशा पर निर्भर करेगी 1 | 3

28.

(i) विद्युत् क्षेत्र के विचरण का प्रकार और उसकी पुष्टि	½ + ½
(ii) धारा घनत्व में विचरण का प्रकार और उसकी पुष्टि	½ + ½
(iii) इलेक्ट्रॉनों की गतिशीलता में विचरण का प्रकार और उसकी पुष्टि	½ + ½

(i) $E = \dfrac{I}{A}\rho$, विद्युत् क्षेत्र में वृद्धि हो जाएगी। ½+½

(ii) $j = \dfrac{I}{A}$, धारा घनत्व में वृद्धि हो जाएगी । ½+½

(iii) $\mu_e = \dfrac{e\tau}{m}$, गतिशीलता में कोई परिवर्तन नहीं होगा। ½+½

अथवा

	बिंदुओं A, B और C पर विद्युत् क्षेत्र ज्ञात करेंगे 1+1+1		
	बिंदु A पर विद्युत् क्षेत्र ($\vec{E}_A$) $\vec{E}_A = \vec{E}_1 + \vec{E}_2$ $= \frac{\sigma}{2\varepsilon_0}(-\hat{i}) + \frac{3\sigma}{2\varepsilon_0}(\hat{i})$ $\vec{E}_A = \frac{\sigma}{\varepsilon_0}(\hat{i})$ बिंदु B पर विद्युत् क्षेत्र ($\vec{E}_B$) $\vec{E}_B = \vec{E}_1 + \vec{E}_2$ $= \frac{\sigma}{2\varepsilon_0}\hat{i} + \frac{3\sigma}{2\varepsilon_0}\hat{i}$ $= \frac{2\sigma}{\varepsilon_0}\hat{i}$ बिंदु C पर विद्युत् क्षेत्र ($\vec{E}_C$) $\vec{E}_c = \vec{E}_1 + \vec{E}_2$ $= \frac{\sigma}{2\varepsilon_0}\hat{i} + \frac{3\sigma}{2\varepsilon_0}(-\hat{i})$ $= \frac{\sigma}{\varepsilon_0}(-\hat{i})$	½ ½ ½ ½ ½ ½	3
	SECTION - D		
29.	(i) (A) B_1 only	1	
	(ii) (B) A,C अथवा (C) उर्मिका के साथ एकदिशिक	1	
	(iii) (D) होल , इलेक्ट्रॉन	1	
	(iv) (C) 100 Hz	1	4
30.	(i)(B) $qd(\hat{i} + \hat{j})$	1	
	(ii)(C) 2	1	
	(iii)(A) 2.5 x 10^{-5} Nm	1	
	(iv) (C) $\frac{1}{2}evr$ अथवा (B) $5.0\times10^{-3}\,Am^2$	1	4
	SECTION - E		

	emf के लिए व्यंजक प्राप्त करना	1
(ii)	बल का परिमाण और दिशा ज्ञात करना	½+1/2

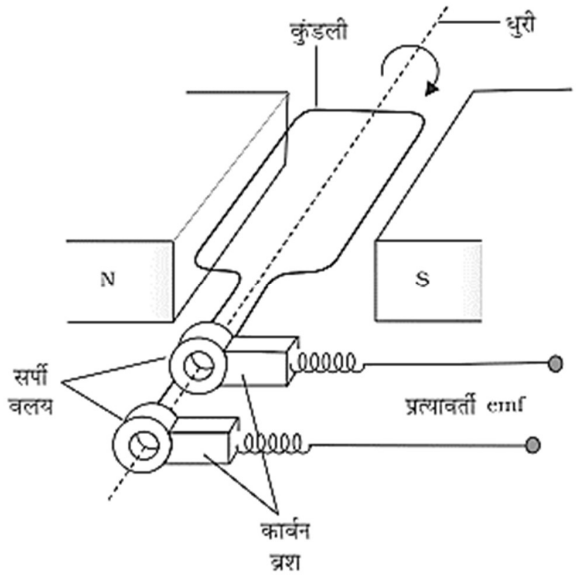

1

a.c जनित्र की कार्यविधि

जब किसी कुंडली को किसी एक सामान चुंबकीय क्षेत्र में किसी नियत कोणीय चाल से घूर्णित किया जाता है तो उससे गुजरने वाले चुंबकीय फ्लक्स में परिवर्तन होता है जिसके फलस्वरूप उस कुंडली में कोई emf प्रेरित होती है। किसी क्षण t पर कुंडली से सम्बध फ्लक्स

1

$$\varphi_B = BA\cos\omega t$$ ½

$$\varepsilon = -N\frac{d\varphi_B}{dt}$$

$$\varepsilon = NBA\omega\sin\omega t$$ ½

(ii) पाश की भुजा MN पर बल

$$F_1 = \frac{4\pi\times10^{-7}\times3\times1\times10\times10^{-2}}{2\pi\times20\times10^{-2}}$$ ½

$$= 3\times10^{-7}\ \text{N}$$

यह बल तार से दूर की ओर दिशिक है

पाश की भुजा SP पर बल

$$F_2 = \frac{4\pi\times10^{-7}\times3\times1\times10\times10^{-2}}{2\pi\times30\times10^{-2}}$$ ½

$$= 2\times10^{-7}\ \text{N}$$

यह बल तार की ओर दिशिक है

पाश पर नेट बल $F = F_1 - F_2 = 10^{-7}\ \text{N}$ ½

पाश पर नेट बल तार 'से दूर की ओर दिशिक है। ½

	लेंज़ के नियम का उपयोग	½	
	स्वप्रेरकत्व के लिए व्यंजक प्राप्त करना	2	
	(ii) (1) कोणीय आवृत्ति परिकलित करना	1	
	(2) परिपथ की प्रतिबाधा परिकलित करना	1	

- किसी परिपथ में प्रेरित emf का परिमाण परिपथ से गुजरने वाले चुंबकीय फ्लक्स में परिवर्तन की दर के बराबर होता है। ½
- लेंज़ के नियम का उपयोग - यह प्रेरित emf की ध्रुवता निर्धारित करता है। ½
- अनुप्रस्थ काट क्षेत्रफल A, लम्बाई l तथा प्रति एकांक लम्बाई n फेरों वाली किसी लम्बी परिनालिका पर विचार कीजिये यदि इस परिनालिका से धारा I प्रवाहित हो रही है तो परिनालिका के भीतर चुंबकीय क्षेत्र

$$B = \mu_0 nI$$ ½

परिनालिका से सम्बद्ध कुल चुंबकीय फ्लक्स ½

$$N\varphi_B = (nl)(\mu_0 nI)(A)$$

$$N\varphi_B = \mu_0 n^2 AlI$$

स्वप्रेरकत्व

$$L = \frac{N\Phi_B}{I}$$ ½

$$L = \mu_0 n^2 Al$$

यदि परिनालिका के भीतर आपेक्षिक चुंबकशीलता μ_r का कोई पदार्थ भरा है, तब

$$L = \mu_r \mu_0 n^2 Al$$ ½

(i) (1) अनुनादीय कोणीय आवृत्ति

$$\omega_0 = \frac{1}{\sqrt{LC}}$$ ½

$$\omega_0 = \frac{1}{\sqrt{50\times10^{-3}\times80\times10^{-6}}} = 500\ rad\,s^{-1}$$ ½

(2) जब आपूर्ति की आवृत्ति परिपथ की मूल आवृत्ति के बराबर है, तब

प्रतिबाधा = प्रतिरोध ½

$z = R$

$z = 20\,\Omega$ ½ 5

32.

(i) अभिदृश्यक तथा अभिनेत्र लेंसों की अभिकल्पना करते समय विचार करने योग्य दो मुख्य बातें	1	
(ii) दूरबीन की आवर्धन क्षमता के लिए व्यंजक प्राप्त करना	2	
(1) विचलन कोण का परिकलन	1	
प्रिज़्म के पदार्थ के अपवर्तनांक का परिकलन	1	

दो विचारणीय मुख्य बातें

नेत्रिका (अभिनेत्र लेंस) के लिए

1. लघु व्यास ½
2. लघु फोकस दूरी

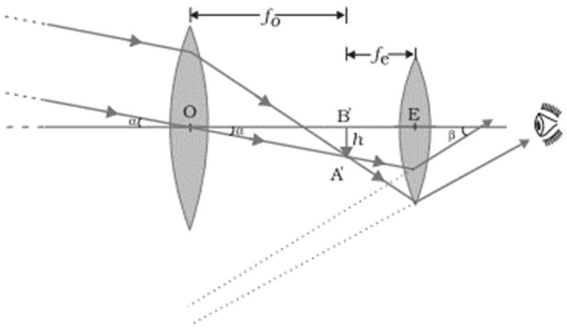

1

दूरदर्शक की आवर्धन क्षमता

किसी दूरदर्शक की आवर्धन क्षमता (m) प्रतिबिम्ब द्वारा नेत्र पर अंतरित कोण β तथा बिम्ब द्वारा नेत्र पर (अथवा लेंस पर) अंतरित कोण α के अनुपात के बराबर होती है अर्थात

$$m \approx \frac{\beta}{\alpha} \approx \frac{h}{f_e} \cdot \frac{f_0}{h} = \frac{f_0}{f_e}$$ 1

(ii) i+e = D+A

$at \quad D = D_m \quad , \quad i = e$

$2i = D_m + A$

$2 \times 45 = D_m + 60^0$

$D_m = 30^0$ 1

$$\mu = \frac{\sin\left(\frac{A + D_m}{2}\right)}{\sin\left(\frac{A}{2}\right)}$$

$$\mu = \frac{\sin\left(\frac{60^0 + 30^0}{2}\right)}{\sin\left(\frac{60^0}{2}\right)}$$

$= \sqrt{2}$ 1

अथवा

(i) एकल झिरी के कारण प्राप्त विवर्तन पैटर्न का प्रेक्षण करने के लिए कार्यकलाप का विवरण	2
(ii) द्रव का अपवर्तनांक ज्ञात करना	3

(i) दो रेज़र ब्लेडों को इस प्रकार पकड़ते हैं कि उनके किनारे समान्तर हों और दोनों के बीच एक संकीर्ण झिरी बने। इसके बाद झिरी को बल्ब के चमकीले तंतु के समान्तर ठीक सामने रख कर झिरी का अवलोकन करते हैं। 2

उत्तल लेंस की फोकस दूरी, $f_1 = 30\,\text{cm}$ ½

$$\frac{1}{30} = (1.5-1)\left[\frac{1}{R} - \frac{1}{(-R)}\right]$$ ½

$R = 30\,\text{cm}$

संयोजन की फोकस दूरी, $f = 45$ cm

द्रव के समयावताल लेंस की फोकस दूरी ½

$$\frac{1}{f_2} = \frac{1}{f} - \frac{1}{f_1}$$

$$\frac{1}{f_2} = \frac{1}{45} - \frac{1}{30}$$ ½

$f_2 = -90\,\text{cm}$

लेंस मेकर सूत्र का उपयोग करने पर

$$\frac{1}{-90} = (\mu_l - 1)\left[\frac{1}{-30} - \frac{1}{\infty}\right]$$ ½

$\mu_l = \frac{4}{3}$ ½ 5

33.

(i)	द्रव्य तरंगों की परिभाषा	1
	दे ब्रोग्ली तरंगदैर्घ्य के लिए व्यंजक प्राप्त करना	2
(ii)	(1) प्रकाश पुंज में फोटॉन की ऊर्जा परिकलित करना	1
	(2) प्रति सेकंड उत्सर्जित फोटॉनों की संख्या परिकलित	1

(i) गतिशील पिंड से सम्बद्ध तरंग को द्रव्य तरंग कहते हैं |

द्रव्यमान m और आवेश q के कण द्वारा गतिज ऊर्जा के रूप में ऊर्जा की लब्धि 1

$\frac{1}{2}mv^2 = qV$ ½

$(mv)^2 = 2qVm$

$mv = \sqrt{2mqV}$ ½

दे ब्रोग्ली संबंध के अनुसार ½

$\lambda = \frac{h}{mv}$

$\lambda = \frac{h}{\sqrt{2mqV}}$ ½

(ii) (1) $E = hv$ ½

$= 6.63\times10^{-34}\times5\times10^{14}$

(2) E

$$= \frac{3.315\times10^{-3}}{3.315\times10^{-19}} = 10^{16}\,s^{-1}$$ ½

अथवा

(i)	बोर के अभिगृहीत	½ x 3
(ii)	हाइड्रोजन परमाणु की nवीं कक्षा में इलेक्ट्रॉन की ऊर्जा के लिए व्यंजक प्राप्त करना	2
(iii)	बंधन ऊर्जा प्रति न्यूक्लियॉन का परिकलन	1 ½

(1) बोर के अभिगृहीत

(i) किसी परमाणु में कोई इलेक्ट्रॉन निश्चित स्थायी कक्षाओं में विकिरण ऊर्जा उत्सर्जित किए बिना परिक्रमण कर सकता है। ½

(ii) इलेक्ट्रॉन नाभिक के चारों ओर केवल उन कक्षाओं में ही परिक्रमण करता है जिनके लिए कोणीय संवेग का मान h/2 का पूर्णांक गुणज होता है। जहाँ h प्लांक नियतांक (= 6.6×10^{-34} Js)। अतः परिक्रमा करते हुए इलेक्ट्रॉन का कोणीय संवेग (L) क्वाटित है। ½

(iii) कोई इलेक्ट्रॉन अपने विशेष रूप से उल्लिखित अविकिरणी कक्षा से दूसरी निम्न ऊर्जा वाली कक्षा में संक्रमण कर सकता है। जब यह ऐसा करता है तो एक फोटॉन उत्सर्जित होता है जिसकी ऊर्जा प्रारंभिक एवं अंतिम अवस्थाओं की ऊर्जा के अंतर के बराबर होती है। ½

व्युत्पत्ति

(2) किसी हाइड्रोजन परमाणु की स्थायी अवस्था में इलेक्ट्रॉन की कुल ऊर्जा

$$E = -\frac{e^2}{8\pi\varepsilon_0 r_n} \text{ ----------(1)}$$ ½

जहां r_n, $n^{वीं}$ कक्षा की त्रिज्या है।

$$r_n = \frac{n^2h^2\varepsilon_0}{\pi me^2} \text{ ----------(2)}$$ ½

समीकरण (2) का मान समीकरण (1) में रखने पर

$$E_n = -\frac{me^4}{8n^2\varepsilon_0{}^2h^2}$$ 1

(3) द्रव्यमान क्षति

$$\Delta m = \left[6m(^1_0n) + 6m(^1_1H)\right] - m(^{12}_6C)$$ ½

$$\Delta m = (6\times1.008665 + 6\times1.007825) - 12.000000$$

$$\Delta m = 0.09894\text{u}$$ ½

	A $= \frac{92.16\,\text{MeV}}{12}$ $=7.68$ MeV	½	5

Marking Scheme
Strictly Confidential
(For Internal and Restricted use only)
Senior School Certificate Examination, 2024
SUBJECT NAME PHYSICS [PAPER CODE 55/S/2]

General Instructions: -

1	You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.
2	**"Evaluation policy is a confidential policy as it is related to the confidentiality of the examinations conducted, Evaluation done and several other aspects. Its' leakage to public in any manner could lead to derailment of the examination system and affect the life and future of millions of candidates. Sharing this policy/document to anyone, publishing in any magazine and printing in News Paper/Website etc may invite action under various rules of the Board and IPC."**
3	Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and due marks be awarded to them. In class-X, while evaluating two competency-based questions, please try to understand given answer and even if reply is not from marking scheme but correct competency is enumerated by the candidate, due marks should be awarded.**
4	The Marking scheme carries only suggested value points for the answers These are in the nature of Guidelines only and do not constitute the complete answer. The students can have their own expression and if the expression is correct, the due marks should be awarded accordingly.
5	The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. If there is any variation, the same should be zero after delibration and discussion. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.
6	Evaluators will mark(√) wherever answer is correct. For wrong answer CROSS 'X" be marked. Evaluators will not put right (✓)while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**
7	If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.
8	If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.
9	If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out with a note **"Extra Question"**.
10	No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.
11	A full scale of marks 0-70 (example 0 to 80/70/60/50/40/30 marks as given in Question Paper) has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.
12	Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e., 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).This is in view of the reduced syllabus and number of questions in question paper.

13	Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:- ● Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book. ● Giving more marks for an answer than assigned to it. ● Wrong totaling of marks awarded on an answer. ● Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page. ● Wrong question wise totaling on the title page. ● Wrong totaling of marks of the two columns on the title page. ● Wrong grand total. ● Marks in words and figures not tallying/not same. ● Wrong transfer of marks from the answer book to online award list. ● Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.) ● Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.
14	While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.
15	Any un assessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.
16	The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the "**Guidelines for spot Evaluation**" before starting the actual evaluation.
17	Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totaled and written in figures and words.
18	The candidates are entitled to obtain photocopy of the Answer Book on request on payment of the prescribed processing fee. All Examiners/Additional Head Examiners/Head Examiners are once again reminded that they must ensure that evaluation is carried out strictly as per value points for each answer as given in the Marking Scheme.

MARKING SCHEME: PHYSICS(042)			
Code: 55/S/2			
Q. No.	**VALUE POINTS/EXPECTED ANSWERS**	**Marks**	**Total Marks**
	SECTION A		
1.	(B) -0.925	1	1
2.	(B) 4:1	1	1
3.	(A) $V_A=V_B=V_C$	1	1
4.	(C) 20μF	1	1
5.	(A) Same number of neutrons but different number of protons	1	1
6.	(C) +y axis, $\frac{2\pi}{\lambda}$	1	1
7.	(B) 45^0	1	1
8.	(C)The number of alpha particles undergoing head on collision is small	1	1
9.	(D) 13.6 e V	1	1
10.	(D) First real and then virtual	1	1
11.	(B) Holes flow from p-side to n-side	1	1
12.	(B) Current flowing in the coil.	1	1
13.	(A) Both Assertion (A) and Reason (R) are true and Reason (R) is the correct explanation of the Assertion (A).	1	1
14.	(D) Both Assertion (A) and Reason (R) are false.	1	1
15.	(B) Both Assertion (A) and Reason (R) are true, but Reason (R) is not the correct explanation of the Assertion (A).	1	1
16.	(B) Both Assertion (A) and Reason (R) are true, but Reason (R) is not the correct explanation of the Assertion (A).	1	1
	SECTION B		
17. (a)	(i) Calculating e.m.f of cell 1 (ii) Calculating internal resistance of cell 1 $I = \frac{\varepsilon}{R+r}$ $0.25 = \frac{\varepsilon}{12+r}$ $-----(1)$ $0.2 = \frac{\varepsilon}{16+r}$ $-------(2)$ On solving eq (1) and eq (2) $r = 4\Omega$ $\varepsilon = 4\,V$	½ ½ ½ ½	
	OR		
(b)	Finding the magnitude of electric field 1 ½ Finding the direction of electric field ½		

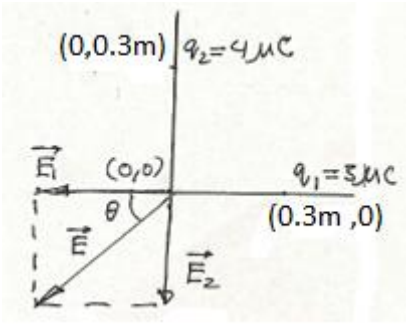

$$\vec{E}_1 = \frac{kq_1}{r_1^2}(-\hat{i}) = \frac{9\times10^9\times3\times10^{-6}}{(0.3)^2}(-\hat{i}) = 3\times10^5(-\hat{i})\ \text{NC}^{-1}$$ ½

$$\vec{E}_2 = \frac{kq_2}{r_2^2}(-\hat{j}) = \frac{9\times10^9\times4\times10^{-6}}{(0.3)^2}(-\hat{j}) = 4\times10^5(-\hat{j})\ \text{NC}^{-1}$$ ½

$$\vec{E} = \vec{E}_1 + \vec{E}_2$$

$$E = \sqrt{E_1^2 + E_2^2}$$

$$E = 5\times10^5\ \text{NC}^{-1}$$ ½

$$\tan\theta = \frac{4}{3}$$

$\theta = \tan^{-1}\left(\frac{4}{3}\right)$ inclination with respect to the x-axis (in III quadrant). ½

2

18.

Difference between magnetization and the susceptibility 1 Susceptibility of paramagnetic and diamagnetic materials ½ + ½

Magnetization is equal to the net magnetic moment per unit volume.

Alternatively

$$\vec{M} = \frac{\vec{m}_{net}}{V}$$ ½

Susceptibility is a measure of how a magnetic material responds to an external field.

Alternatively

$\vec{M} = \chi\vec{H}$ ½

Susceptibility of paramagnetic material is between 0 & ε (where ε has small positive value) ½

Alternatively

$O < \chi < 1$

Susceptibility of diamagnetic material is between $-1 \le \chi < 0$ ½

2

19.

- Stating Huygens Principle 1
- Diagram 1

Huygens Principle :

Each point of the wavefront is the source of a secondary disturbance and the wavelets emanating from these points spread out in all directions with the speed of the wave. These wavelets emanating from the wavefront are usually referred to as secondary wavelets and if we draw a common tangent to all these spheres, we obtain the new position of the wavefront at a later time. 1

	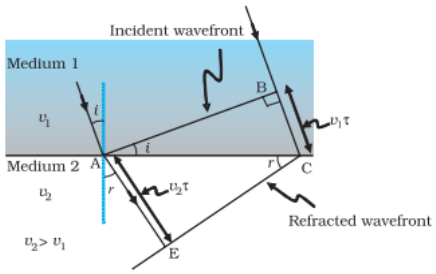	1	2
20.	Naming of impurity atom of (a) p- type ½ (b) n- type ½ Energy band diagram p- type ½ n- type ½ (a) Impurity atom of p- type is trivalent or group 13(acceptor impurity atom) (b) Impurity atom of n- type is pentavalent or group 15(donor impurity atom) 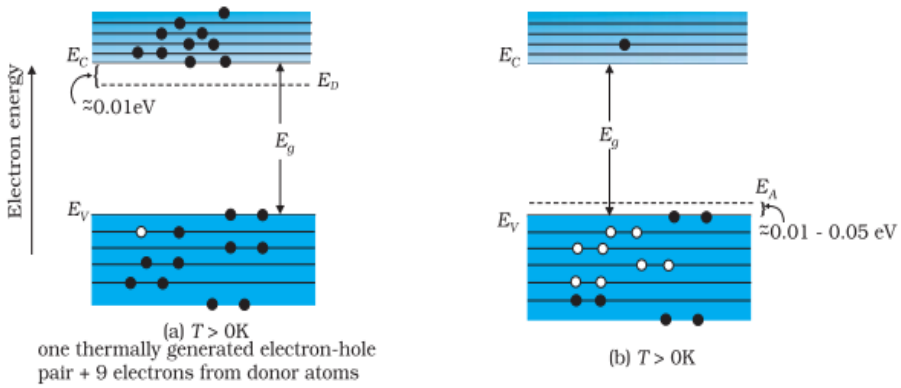	½ ½ ½ + ½	2
21.	(a) Calculation of critical angle 1 (b) Calculation of radius of circular light patch 1 (a) $\sin i_c = \frac{1}{\mu}$ $\sin i_c = \frac{4}{5}$ $(\because \mu = 1.25 = \frac{5}{4})$ $i_c = \sin^{-1}(\frac{4}{5})$ $or\ i_c = 53^o$ (b) $\sin i_c = \frac{r}{\sqrt{r^2+h^2}}$ $\frac{r^2}{r^2+h^2} = \left(\frac{4}{5}\right)^2$ $25r^2 = 16r^2 + 16h^2$ $9r^2 = 1600$ $r = \frac{40}{3} cm$ 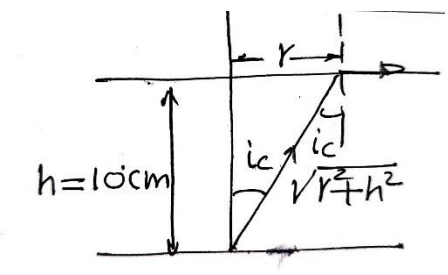	½ ½ ½ ½	2

	SECTION C		
22	Shape of trajectory with reasons when the angle between $\vec{V}$ & $\vec{B}$ is (a) 0^0 ½ + ½ (b) 90^0 ½ + ½ (c) 120^0 ½ + ½		
	(a) We know $\vec{F} = q(\vec{v} \times \vec{B})$ $\vec{v} \longrightarrow \quad \vec{B}$ Alternatively:- The particle moves in a straight line. As the angle between $\vec{v}$ & $\vec{B}$ is 0^0 hence $\vec{F} = 0$	½ ½	
	(b) 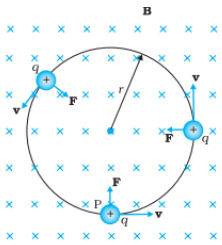 Alternatively- The particle moves in a circular path. F is perpendicular to both $\vec{v}$ & $\vec{B}$	½ ½	
	(c) 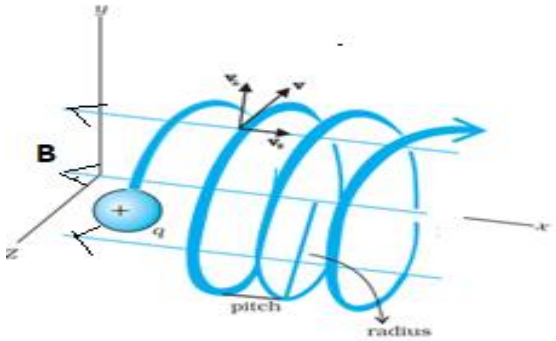 **Alternatively** The particle follows a helical path. $F = q v B Sin\theta$ Component of velocity parallel to magnetic field tends to move the particle along linear path while the component perpendicular to magnetic field tends to move the particle in circular path. As a consequence the particle moves in a helical path.	½ ½	3
23	(a) Identifying the medium ½ Justification ½ (b) (i)Finding the intensity for path difference $= \frac{\lambda}{2}$ 1 (ii) Finding the intensity for path difference $= \frac{\lambda}{3}$ 1		
	(a) Light travels faster in medium 'B' $\mu_1 = \frac{\sin i}{\sin r_1}$	½	

$$\mu_2 = \frac{\sin i}{\sin r_2}$$

$$\therefore \quad \frac{\mu_1}{\mu_2} = \frac{\sin r_2}{\sin r_1} = \frac{\sin 35^0}{\sin 30^0}$$

$$\Rightarrow \frac{\mu_1}{\mu_2} = \frac{v_2}{v_1} > 1$$

$$\therefore \quad v_2 > v_1 \qquad \text{½}$$

(b)

$$I = 4I_0 \cos^2 \frac{\phi}{2}$$

(i) $\phi = \frac{2\pi}{\lambda} \times \frac{\lambda}{2} = \pi$ ½

$I = 4I_0 (\cos \frac{\pi}{2})^2 = 0$ ½

(ii) $\phi = \frac{2\pi}{\lambda} \times \frac{\lambda}{3} = \frac{2\pi}{3}$ ½

$I = 4I_0 (\cos \frac{\pi}{3})^2$

$I = I_0$ ½ 3

24

(a) Showing the variation of photocurrent with collector plate potential	1
Explanation	1
(b) Showing the variation of photocurrent with intensity of incident radiation	1

(a)

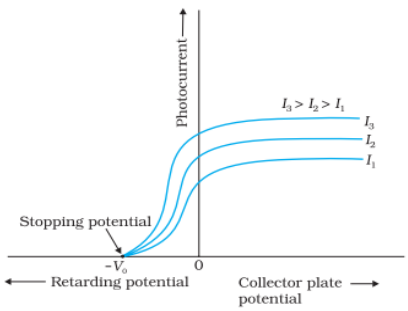

1

Yes, these curves meet at stopping potential ½

For any surface , as the energy of photons does not depend upon intensity of light, at the stopping potential current reduces to zero. ½

(b)

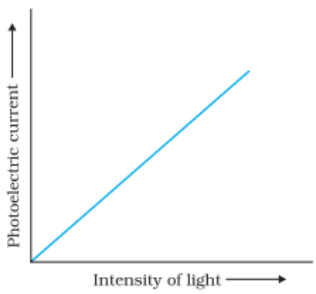

1 3

25	**Calculating electrostatic potential energy of the system 3** Electrostatic potential energy of the system : $U = \frac{kq_1q_2}{r_{12}} + q_1V_1 + q_2V_2$ $\frac{kq_1q_2}{r_{12}} = \frac{9\times10^9 \times 10\times10^{-6} \times 20\times10^{-6}}{9\times10^{-2}} = 20\text{J}$ $q_1V_1 = q_1\frac{A}{r_1} = \frac{10\times10^{-6}\times2\times10^6}{4\times10^{-2}} = 500\text{J}$ $q_2V_2 = q_2\frac{A}{r_2} = \frac{20\times10^{-6}\times2\times10^6}{5\times10^{-2}} = 800\text{J}$ $\text{U} = (20+500+800)\,\text{J}$ $\text{U} = 1320\,\text{J}$	1 ½ ½ ½ ½	3
26	**Calculating the self- inductance of the inductor 3** Resistance (R) $= \frac{V}{I} = \frac{200}{1} = 200\Omega$ Impedance(Z) = $\frac{V}{I} = \frac{200}{0.5} = 400\Omega$ $z = \sqrt{R^2 + X_L^2}$ $(400)^2 = (200)^2 + \omega^2L^2$ On solving $L = \frac{2\sqrt{3}}{\pi}$ H Or $L = \frac{2}{\sqrt{3}}$ H	½ ½ ½ ½ 1	3
27	**Finding the magnitude of net magnetic field 2** **Direction of net magnetic field 1** 		

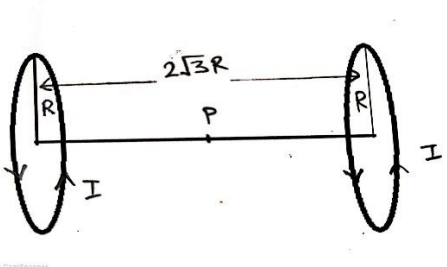

Magnetic field due to a circular coil having N number of turns at point on the axis of the coil

$$B = \frac{N\mu_0 IR^2}{2(a^2+R^2)^{3/2}}$$ ½

Net field at mid point = $B_1 + B_2$ ½

$$= \frac{N\mu_0 IR^2}{(a^2+R^2)^{3/2}}$$

$$\left(As\ \ a = \sqrt{3}R\right)$$

$$\text{Net magnetic field } B = \frac{N\mu_0 IR^2}{(3R^2+R^2)^{3/2}}$$ ½

$$B = \frac{N\mu_0 I}{8R}$$ ½

Direction of the net field will be towards left or right along the axis depending on direction of current in the two loops. 1 3

28.(a)

(i) Variation of electric field and justification	½ + ½
(ii) Variation of current density and justification	½ + ½
(iii) Variation of mobility of electrons and justification	½ + ½

With the decrease in area of cross-section.

(i) $E = \frac{I}{A}\rho$, electric field increases ½+½

(ii) $j = \frac{I}{A}$, current density increases ½+½

(iii) $\mu_e = \frac{e\tau}{m}$, mobility remains same ½+½

OR

(b)

Finding the net electric field ($\vec{E}$) at points A,B & C 1+1+1

Electric field at A($\vec{E}_A$)

$$\vec{E}_A = \vec{E}_1 + \vec{E}_2$$

$$= \frac{\sigma}{2\varepsilon_0}(-\hat{i}) + \frac{3\sigma}{2\varepsilon_0}(\hat{i})$$ ½

$$\vec{E}_A = \frac{\sigma}{\varepsilon_0}(\hat{i})$$ ½

Electric field at B ($\vec{E}_B$)

$$\vec{E}_B = \vec{E}_1 + \vec{E}_2$$

$$= \frac{\sigma}{2\varepsilon_0}\hat{i} + \frac{3\sigma}{2\varepsilon_0}\hat{i}$$ ½

$$= \frac{2\sigma}{\varepsilon_0}\hat{i}$$ ½

Electric field at C ($\vec{E}_C$)

	$\vec{E}_c = \vec{E}_1 + \vec{E}_2$ $= \frac{\sigma}{2\varepsilon_0}\hat{i} + \frac{3\sigma}{2\varepsilon_0}(-\hat{i})$ $= \frac{\sigma}{\varepsilon_0}(-\hat{i})$	½ ½	3
	SECTION - D		
29.	(i) (A) B_1 only	1	
(a)	(ii) (B) A, C OR	1	
(b)	(C) unidirectional with ripple		
	(iii) (D) holes, electrons	1	
	(iv) (C) 100 Hz	1	4
30.	(i) (B) $qd(\hat{i}+\hat{j})$	1	
	(ii) (C) 2	1	
	(iii) (A) 2.5 x 10^{-5} Nm	1	
(a)	(iv) (C) $\frac{1}{2}evr$ OR	1	
(b)	(B) $5.0\times10^{-3}\,\text{Am}^2$		4
	SECTION - E		
31. (a)	(i) Labelled diagram of ac generator 1 Working of ac generator 1 Obtaining expression for e.m.f 1 (ii) Finding magnitude of force and direction 2		
	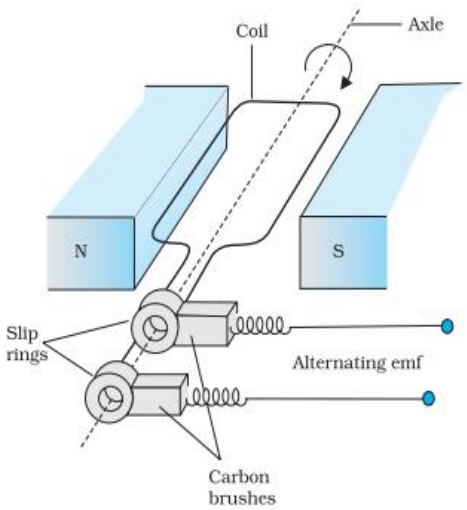	1	
	Working of ac generator When coil is rotated in a uniform magnetic field with a constant angular speed ω, magnetic flux through it changes. As a result, an e.m.f is induced in the coil. Flux linked with the coil at any instant 't' is $\varphi_B = BA\cos\omega t$	1 ½	

	$\varepsilon = -N\dfrac{d\varphi_B}{dt}$ $\varepsilon = NBA\omega \sin \omega t$	½	
	(ii) $F = \dfrac{\mu_0 I_1 I_2 l}{2\pi r}$ force on arm MN of the loop $F_1 = \dfrac{4\pi\times10^{-7}\times3\times1\times10\times10^{-2}}{2\pi\times20\times10^{-2}}$ $F_1 = 3\times10^{-7}$ N	½	
	Force is directed away from the wire Force on arm SP of the loop $F_2 = \dfrac{4\pi\times10^{-7}\times3\times1\times10\times10^{-2}}{2\pi\times30\times10^{-2}}$ $F_2 = 2\times10^{-7}$ N	½	
	Force is directed towards the wire Net force on the loop $F = F_1 - F_2 = 10^{-7}$ N Net force on the loop is away from the wire.	½ ½	
	OR		
(b)	(i) Statement of Faraday's law of electromagnetic induction ½ Utility of Lenz's law ½ Obtaining expression for self inductance 2 (ii) (1) calculating angular frequency 1 (2) calculating impedance of the circuit 1		
	(i) The magnitude of induced e.m.f in a circuit is equal to the time rate of change of magnetic flux through the circuit	½	
	Utility of Lenz's law It give polarity of the induced e.m.f .	½	
	Expression for self inductance Consider a long solenoid of cross-sectional area A and length l, having n turns per unit length. If I is the current flowing in the solenoid, magnetic field inside the solenoids is $B = \mu_0 n I$	½	
	Total magnetic flux linked with the solenoid is $N\varphi_B = (nl)(\mu_0 n I)(A)$ $N\varphi_B = \mu_0 n^2 A l I$	½	
	Self inductance $L = \dfrac{N\varphi_B}{I}$ $L = \mu_0 n^2 A l$	½	
	If solenoid is filled with a material of relative permeability μ_r, then $L = \mu_r \mu_0 n^2 A l$	½	
	(ii) (1) Resonant angular frequency is $\omega_0 = \dfrac{1}{\sqrt{LC}}$	½	
	$\omega_0 = \dfrac{1}{\sqrt{50\times10^{-3}\times80\times10^{-6}}} = 500\ \text{rad s}^{-1}$	½	

	(2) When frequency of supply is equal to natural frequency of the circuit $Z = R$ $Z = 20\ \Omega$	½ ½	5
32. (a)	(i) Two main considerations for designing objective and eye piece 1 Obtaining expression for magnifying power of telescope 2 (ii) Calculating (1) Angle of deviation 1 (2) Refractive index 1		
	Two main considerations Objective should have 1. Larger diameter 2. Larger focal length Eye piece should have 1. Smaller diameter 2. Smaller focal length	½ ½	
	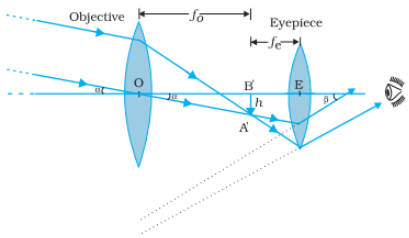	1	
	Magnifying power of telescope Magnifying power is the ratio of the angle β subtended at the eye by the final images to the angle α which the object subtends at the lens or eye $m \approx \frac{\beta}{\alpha} \approx \frac{h}{f_e} \cdot \frac{f_0}{h} = \frac{f_0}{f_e}$	1	
	(ii) i+e = D+A $at \quad D = D_m \quad , \quad i = e$ $2i = D_m + A$ $2 \times 45 = D_m + 60^0$ $D_m = 30^0$	1	
	$\mu = \frac{\sin\left(\frac{A + D_m}{2}\right)}{\sin\left(\frac{A}{2}\right)}$ $\mu = \frac{\sin\left(\frac{60^0 + 30^0}{2}\right)}{\sin\left(\frac{60^0}{2}\right)}$ $= \sqrt{2}$	1	
	OR		
(b)	(i) Describing activity to observe diffraction pattern due to a single slit 2 (ii) Finding refractive index of the liquid 3		

(i) We hold two razor blades in such a way that their edges are parallel and with a narrow slit in between. Keep the slit parallel to the filament of electric bulb, right in front of the eye. 2

A diffraction is seen with its bright and dark bands.

(ii) $\frac{1}{f}=(\mu-1)\left[\frac{1}{R_1}-\frac{1}{R_2}\right]$ ½

Focal length of convex lens, $f_1=30\,\text{cm}$

$$\frac{1}{30}=(1.5-1)\left[\frac{1}{R}-\frac{1}{(-R)}\right]$$

$R = 30\,\text{cm}$ ½

focal length of combination, f = 45 cm

focal length of plane concave lens of liquid.

$\frac{1}{f_2} = \frac{1}{f}-\frac{1}{f_1}$ ½

$\frac{1}{f_2} = \frac{1}{45}-\frac{1}{30}$

$f_2 = -90\,\text{cm}$ ½

Using lens maker's formula

$\frac{1}{-90} = (\mu_l - 1)\left[\frac{1}{-30}-\frac{1}{\infty}\right]$ ½

$\mu_l = \frac{4}{3}$ ½ 5

33. (a)

(i)	Defining matter waves	1
	Obtaining expression for de- Broglie wavelength	2
(ii)	(1) Calculating energy of photon	1
	(2) Calculating number of photons per second	1

(i) Wave associated with a mass in motion is called matter wave. 1

Particle of mass m and charge q gains energy in the form of kinetic energy.

$\frac{1}{2}m\text{v}^2 = qV$ ½

$(m\text{v})^2 = 2qVm$

$m\text{v} = \sqrt{2mqV}$ ½

Accordingly to de-Broglie relation

$\lambda = \frac{h}{m\text{v}}$ ½

$\lambda = \frac{h}{\sqrt{2mqV}}$ ½

(i) (1) $E = h\nu$ ½

$= 6.63\times10^{-34}\times5\times10^{14}$

$= 3.315\times10^{-19}\,\text{J}$ ½

(2) $n = \frac{P}{E}$ ½

$$= \frac{3.315\times10^{-3}}{3.315\times10^{-19}} = 10^{16}\,s^{-1}$$ ½

OR

(b)

(i) Bohr's postulates	½ x 3
Deriving expression for energy of electron in n^{th} orbit of hydrogen atom	2
(ii) Calculating Binding Energy per nucleon	1 ½

(i)

Bohr's Postulates

(a) Bohr's first postulate was that an electron in an atom could revolve in certain stable orbits without the emission of radiant energy, ½

(b) Bohr's second postulate defines these stable orbits. This postulate states that the electron revolves around the nucleus only in those orbits for which the angular momentum is some integral multiple of $h/2\pi$ where h is the Planck's constant. ½

(c) Bohr's third postulate states that an electron might make a transition from one of its specified non-radiating orbits to another of lower energy. When it does so, a photon is emitted having energy equal to the energy difference between the initial and final states. ½

Derivation

Total energy of electron in the stationary state of hydrogen atoms is

$$E = -\frac{e^2}{8\pi\varepsilon_0 r_n} \text{ ----------(1)}$$ ½

Where r_n is radius of n^{th} orbit

$$r_n = \frac{n^2h^2\varepsilon_0}{\pi me^2} \text{ ----------(2)}$$ ½

Substituting eq (2) in eq (1)

$$E_n = -\frac{me^4}{8n^2\varepsilon_0{}^2h^2}$$ 1

(ii)

Mass defect, $\Delta m = \left[6m(^1_0n) + 6m(^1_1H)\right] - m(^{12}_6C)$ ½

$$\Delta m = (6\times1.008665 + 6\times1.007825) - 12.000000$$

$$\Delta m = 0.09894\,u$$ ½

$$B.E. = \Delta m \times 931.5\,MeV$$

$$= 92.16 MeV$$

Binding energy per nucleon, $E_{bn} = \frac{E_b}{A}$

$$= \frac{92.16}{12}$$

$$= 7.68 MeV$$ ½ 5